सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 305 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 19 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नाबालिग बेटी का तीन साल तक रेप, दो बार अबॉर्शन कराया, तीसरी बार डिलीवरी हुई तो बच्चा बेचा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इस नराधम पिता ने अपनी ही नाबालिग बेटी से तीन साल तक रेप किया। जब पहली बार रेप किया, तब वह केवल 13 साल की थी। आरोप है कि गर्भवती होने पर उसने दो बार बेटी का गर्भपात भी करवाया। तीसरी बार जब शिशु की डिलीवरी करवानी पड़ी तो उसने नवजात को बेच दिया। मामला राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र का है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि रेप के बाद वह 2 बार प्रेग्नेंट हुई। आरोपियों ने दवाई खिलाकर उसका अबॉर्शन कराया। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि साल 2023 में अमलीडीह क्षेत्र में एक रिश्तेदार के घर पिता ने उसे जबरन शराब पिलाई और मारपीट कर रेप किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

सीनियर अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता, बुआ और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित राय, साहेब मंडल, योगिता राय उर्फ गीता, बरखा वर्मा उर्फ वर्षा मंडल समेत कुल 6 लोग शामिल हैं।

बुआ ने भी दिया अपने भाई का साथ

जब पीड़िता प्रेग्नेंट हुई तो उसने इसकी जानकारी बुआ को दी। बुआ ने भी अपने भाई का ही साथ दिया और मारपीट कर उसे जबरन अबॉर्शन की दवा खिला दी।

फर्जी आधार कार्ड से बताया बालिग

पुलिस के मुताबिक जब पीड़िता दोबारा प्रेग्नेंट हुई तो उसे डॉ वर्षा मंडल के पास ले गए। पीड़िता को बालिग सिद्ध करने के लिए उसका फर्जी आधार कार्ड बनाया गया था।

डिलीवरी के बाद नवजात को बेच दिया

पीड़िता को विवाहिता बताकर वासुदेव अस्पताल में भर्ती किया गया। पीड़िता का आरोप है कि डिलीवरी के बाद पिता और बुआ ने मिलकर उसके बच्चे को बेच दिया।

मानसून का ताण्डव : स्कूल बहा, पुल टूटे, बाढ़ का कहर

एजेंसियां

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। यूपी के प्रयागराज में लगातार तीसरे दिन बारिश से घरों में पानी घुस गया। इसके चलते घरों में बेड, सोफा और दूसरे सामान डूब गए हैं। जिले में लगातार दूसरे दिन सभी स्कूल बंद हैं। रामबाग रेलवे स्टेशन के तीन ट्रैक भी पानी में डूब गए हैं। वाराणसी में सीढ़ियों पर अंतिम संस्कार हो रहे हैं। देश के लगभग आधा दर्जन राज्यों में बारिश जाते जाते ताण्डव कर रहा है। जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया है।

बिहार के बगहा में गंडक नदी के तेज कटाव से प्राथमिक स्कूल के 5 में से 4 कमरे नदी में बह गए। अब स्कूल का बचा हुआ हिस्सा भी कटाव की जद में है।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में मंगलवार को भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड से 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ट्रक ड्राइवर और नेपाल के दो मजदूर शामिल हैं। बारिश के कारण 88 सड़कें बंद हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 32, कुल्लू में 25 और सिरमौर में 10 सड़कें बंद हैं।

वहीं, उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में लैंडस्लाइड से 3 लोगों की मौत हुई है। राज्य में बारिश-लैंडस्लाइड के कारण 124 सड़कें बंद हैं। पिथौरागढ़ में बीआरओ के कुलागाड़ वैली ब्रिज पर चट्टानें जा गिरीं। इससे पुल काली नदी में समा गया। इससे कैलाश मानसरोवर मार्ग पर आवाजाही बंद हो गई।

कन्हर उफान पर, दो दिन और बारिश

छत्तीसगढ़ में मानसून एक्टिव है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में मूसलाधार बारिश के कारण कन्हर नदी उफान पर है। निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। अगले 2 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है। इस दौरान कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। वहीं राजधानी रायपुर में पिछले 3 दिनों से लगातार पानी गिर रहा है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया गया है। झारखंड और उससे लगे पश्चिम बंगाल में बने डिप्रेशन सिस्टम के असर से बारिश हो रही है।

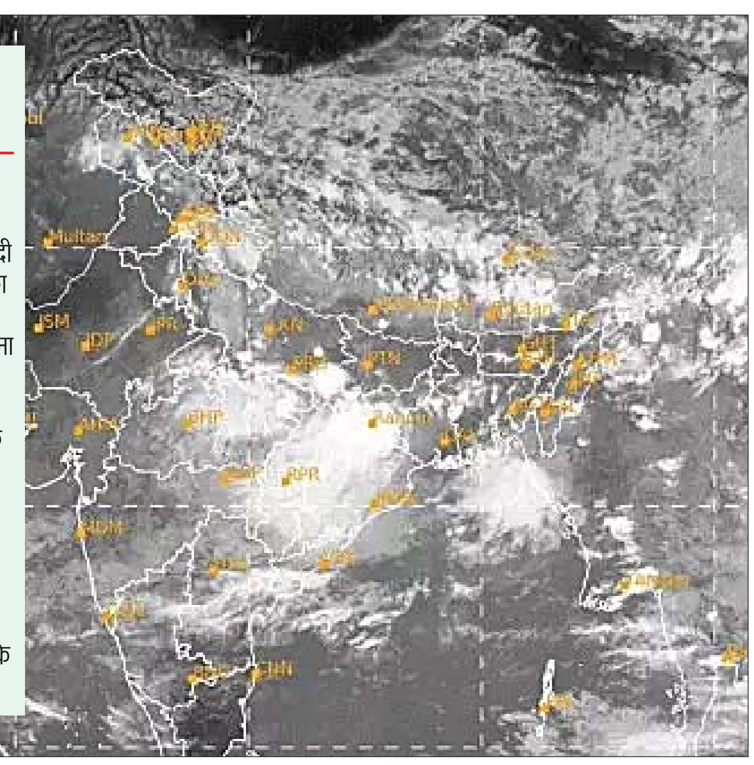

देश भर में कहर

ओडिशा : बाढ़ से 9 लाख लोग प्रभावित
जम्मू : नगरोटा में बारिश के बाद रोड बंद
उत्तर प्रदेश : 13 जिलों में बाढ़, 84000 फंसे, प्रयागराज में घरों में घुसा पानी, वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों पर अंतिम संस्कार। 13,058 हेक्टेयर में 84,362 लोग बाढ़ की चपेट में हैं।
असम : जोनाई में पुल टूटा, नाव का सहारा
हरियाणा: नदी-नाले उफने, घग्गर में उफान
बिहार : 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट
उत्तराखंड: बारिश से 124 सड़कें बंद, लैंडस्लाइड में 3 की मौत; पौड़ी में स्कूल बंद
मध्य प्रदेश : टीकमगढ़, पन्ना और नरसिंहपुर में आज अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं, जबलपुर समेत 12 जिलों में ढाई से 4 इंच तक भारी बारिश का अनुमान है। 19 अगस्त को विंध्य, बुंदेलखंड और महाकौशल में बहुत ज्यादा बारिश होगी, जबकि 20 से 24 अगस्त के बीच बारिश का असर धीरे-धीरे मध्य और पश्चिमी हिस्सों में बढ़ सकता है।

खास-खबर

समुद्र में डूबने लगी नाव, 9 मछुआरों की जान पर आफत

नई दिल्ली। समुद्र में नाव डूबने लगी, 9 मछुआरों की जान खतरे में थी, मदद की पुकार मिलते ही भारतीय तटरक्षक बल ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। दमन स्थित भारतीय तटरक्षक हवाई स्टेशन ने तत्काल बचाव अभियान चलाया और डूबती नाव में फंसे सभी 9 मछुआरों को सुरक्षित बचा लिया। समय पर शुरू किए गए इस अभियान से समुद्र में बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही तटरक्षक बल ने बिना समय गंवाए कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार घटनास्थल की ओर तत्काल एक चेतक हेलीकॉप्टर भेजा गया। हेलीकॉप्टर ने संकट में फंसे मछुआरों तक पहुंचकर बचाव अभियान को आगे बढ़ाया।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर ईडी की रेड

रामपुर। रामपुर जेल में बंद सपा नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। 7 बजे 3 गाड़ियों से 15 अफसरों की टीम यूनिवर्सिटी पहुंची। टीम दस्तावेज खंगाल रही है। बाहर फोर्स तैनात है। हालांकि, यूनिवर्सिटी में क्लासेज चल रही हैं। रामपुर, सहारनपुर और दिल्ली में 10 ठिकानों पर आजम खान और जौहर यूनिवर्सिटी के ट्रस्ट से जुड़े परिसरों पर एक साथ रेड चल रही है। इनमें सहारनपुर के सीए दीपक गुप्ता का ऑफिस और घर भी शामिल है। ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई कर रही है।

रेस्तरां का काजू-पनीर खाकर बच्ची की मौत, परिवार भर्ती

सूरत। गुजरात के सूरत में रेस्टोरेंट का खाना खाने के बाद 5 साल की बच्ची आर्या की मौत हो गई। परिवार के चार अन्य सदस्यों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें आर्या के पिता अशोकभाई, मां और दो बहनें शामिल हैं। परिवार ने 15 अगस्त की शाम शहर के शीतल रेस्टोरेंट से काजू-पनीर समेत खाना मंगाया था। इसके बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों में फूड पॉइजनिंग की पुष्टि की है। 16 अगस्त को 5 साल की बच्ची अचानक बेहोश हो गई। उसे सद्विचार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एम्स दीक्षांत में शामिल होंगे उपराष्ट्रपति

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के 2 सितंबर को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों के संबंध में राज्य स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपराष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सुरक्षा, प्रोटोकॉल, यातायात, चिकित्सा, स्वागत एवं कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव विकास शील ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

रायगढ़ में सेंट्रल जीएसटी की बड़ी कार्रवाई : जोरापाली प्लांट पर छापा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सेंट्रल जीएसटी विभाग की कार्रवाई से कारोबारी हलकों में हलचल मच गई है। मंगलवार को विभाग की टीम ने जोरापाली क्षेत्र स्थित एक प्लांट में दबिश देकर बिलिंग, भुगतान और टैक्स से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। शुरुआती तौर पर कार्रवाई को बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की आशंका से जोड़कर देखा जा रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक, संबंधित फर्म की कारोबारी गतिविधियों और लेनदेन पर विभाग की नजर थी। खासकर इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े कुछ लेनदेन

संदेह के दायरे में बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने प्लांट के बिलिंग सिस्टम, भुगतान से जुड़े दस्तावेजों और अन्य कारोबारी रिकॉर्ड की जांच की। टीम ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों और संबंधित दस्तावेजों से भी जानकारी जुटाई। हालांकि विभाग की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जांच में क्या-क्या सामने आया। जीएसटी विभाग द्वारा अब डिजिटल बिलिंग और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए कारोबारी गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। ऐसे में टैक्स चोरी या आईटीसी में अनियमितता की आशंका होने पर विभाग रिकॉर्ड की बारीकी से पड़ताल कर सकता है।

प्लांट में कई घंटे चली जांच के बाद विभाग ने क्या कार्रवाई की या कोई दस्तावेज जब्त किए गए हैं या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही मामले में स्थिति स्पष्ट होगी।

पांच मंजिला इमारत में आग, 9 लोगों की मौत, इनमें बांग्लादेशी भी शामिल

कोलकाता (ए.)। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1:45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं। घने धुएं के कारण दमकलकर्मियों को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में काफी दिक्कत हुई। आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इमारत अभी भी काफी गर्म है, इसलिए कूलिंग का काम जारी है।

पश्चिम बंगाल के फायर डिपार्टमेंट मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है, लेकिन इसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच के बाद होगी। मंत्री ने कहा कि इमारत के अंदर की स्थिति बेहद खराब थी और यहां कई होटल चल रहे थे।

एसिड हमले की कोशिश करना भी अपराध, सुनाई सजा

नई दिल्ली (ए.)। एसिड अटैक से बच गई, शारीरिक चोट नहीं लगी, फिर भी अपराध हुआ... कोर्ट ने मंगलवार को एक व्यक्ति को अपनी तलाकशुदा पत्नी पर एसिड फेंकने की कोशिश का दोषी ठहराते हुए यह बात कही। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील को कानूनी रूप से गलत बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हमलावर का इरादा स्पष्ट था।

इसे 'जेंडर-बेस्ड हिंसा का बर्बर रूप' बताते हुए, एडिशनल सेशन जज हरगुरविंदर सिंह जग्गी ने कहा कि एसिड अटैक न केवल शारीरिक दर्द देते हैं, बल्कि ये 'पीड़ित की पहचान को खत्म करने की एक सोची-समझी, दुर्भावनापूर्ण कोशिश' हैं और पीड़ितों को 'जीवन भर शारीरिक प्रताड़ना, गहरे भावनात्मक सदमे और पूरी तरह से सामाजिक बहिष्कार' की स्थिति में धकेल देते हैं।

अगस्त 2022 में हुई थी कोशिश

यह मामला अगस्त 2022 का है। विनीता 2020 से सानोज यादव से अलग रह रही थीं। विनीता ने आरोप लगाया कि वह नशे की हालत में उनके माता-पिता के घर के बाहर आया और उन पर पीला तरल पदार्थ फेंकने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने जल्दी से गेट बंद कर लिया और अंदर से कुंडी लगा ली, जिससे तरल पदार्थ फर्श पर गिर गया, और उससे धुआं उठने लगा।

कोर्ट ने ठुकराई दलील

बचाव पक्ष की इस दलील को खारिज करते हुए कि चोट न लगने का मतलब है कि कोई अपराध नहीं हुआ, कोर्ट ने कहा कि भले ही चोटें 'बिल्कुल न लगी हों', अगर कोशिश की गई थी तो अपराध पूरा हो गया था।

तेजपाल अपील करते उससे पहले ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई गोवा सरकार

नई दिल्ली (ए.)। तहलका के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल का संकट और गहरा सकता है। अपनी जूनियर सहयोगी से रेप के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट से मिली 10 साल की सजा के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए पहुंचते उससे पहले गोवा सरकार ने सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटा दिया है। गोवा सरकार ने सुप्रीम में याचिका देकर मांग की है कि केस की गंभीरता को देखते हुए तरुण तेजपाल की सजा बढ़ाकर उम्रकैद में बदल दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट में गोवा सरकार ने अपनी अपील में कहा है कि 'समय बीत जाने का लाभ अपराधी को नहीं दिया सकता।' गोवा सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें तरुण तेजपाल को दो दोष के लिए 10-10 साल की कड़ी सजा साथ काटने का फैसला सुनाया है।

सोशल मीडिया पर आरोपी के फोटो वीडियो डालना उसकी निजता और सम्मान का हनन : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों से जवाब तलब किया है। इस याचिका में पुलिस पर आरोप लगाया गया है कि वे गिरफ्तार आरोपियों के वीडियो अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करके उनके निजता और सम्मान के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, जिससे उन्हें सार्वजनिक अपमान और मीडिया ट्रायल का सामना करना पड़ता है।

जनहित याचिका दायर करने वाले हेमेंद्र पटेल ने वकील गोपाल शंकरनारायणन के जरिए चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच को बताया कि अक्सर पुलिस अपने आधिकारिक हैंडल पर ऐसे सोशल मीडिया पोस्ट करती है जिनमें आरोपी हथकड़ी पहने, रस्सियों से बंधे, डंडों से पीटे जाते हुए और दूसरे तरह के दुर्व्यवहार का शिकार होते हुए दिखते हैं।

याचिकाकर्ता ने कहा कि जब आरोपियों को सबके सामने घुमाया जाता है और उन्हें चलने में मुश्किल होती है, तो यह कस्टडी में टॉर्चर का संकेत देता है। आरोपियों की पहचान जाहिर करने से मीडिया ट्रायल होता है और 'टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड' की पवित्रता पर असर पड़ता है, जो क्रिमिनल ट्रायल में सबूत का अहम हिस्सा होती हैं।

बेंच ने केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया, क्योंकि पीआईएल में चंडीगढ़ पुलिस मॉडल को लागू करने की मांग की गई थी। यह मॉडल पुलिस को पीड़ितों, आरोपियों, शिकायतकर्ताओं या गवाहों की पहचान इस तरह से ज़ाहिर करने से रोकता है जिससे उनकी प्राइवेसी, गरिमा और सुरक्षा पर असर पड़े।

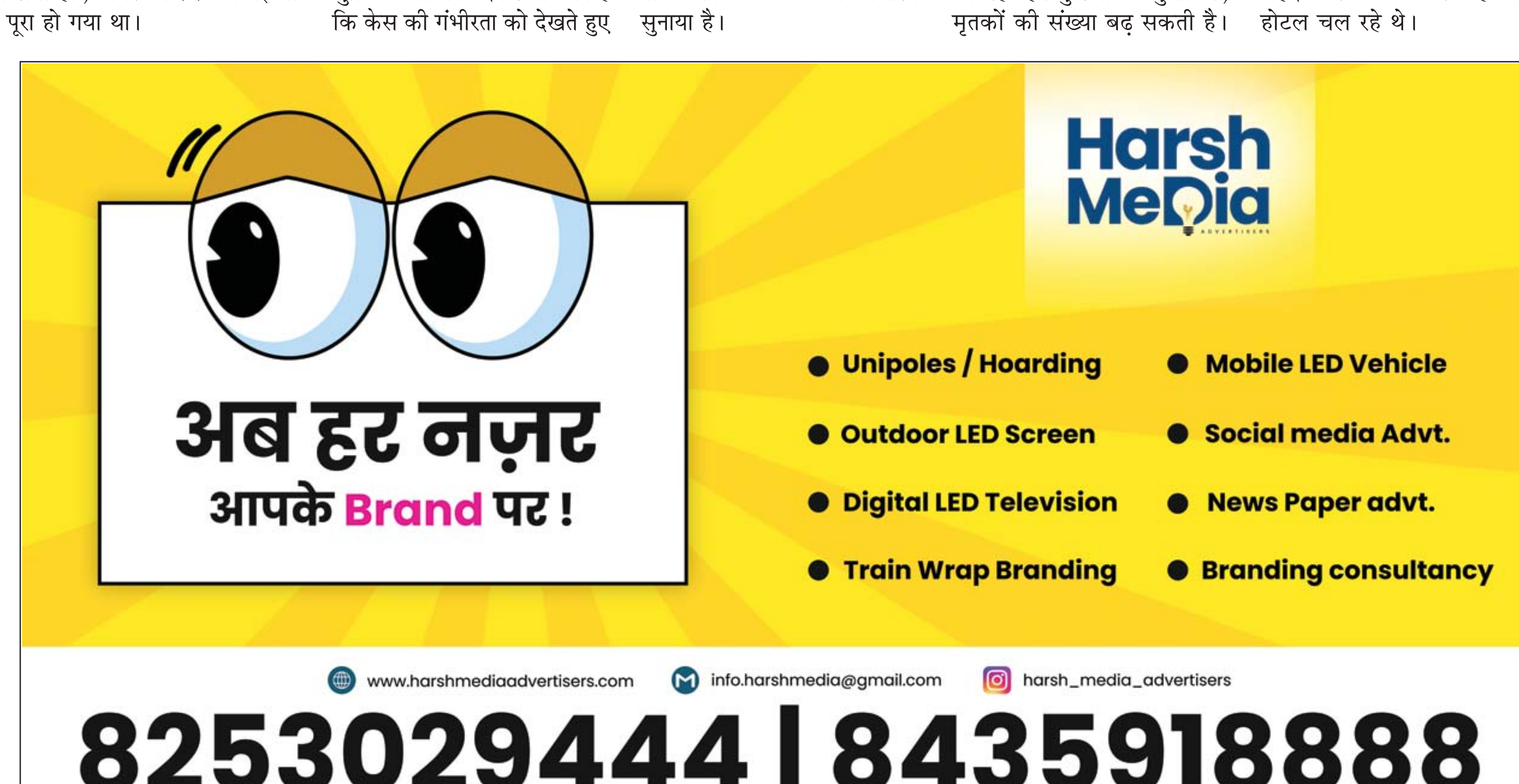

संपादकीय

एक खत्म, दूसरा शुरू

परीक्षाएं रद्द तो नियुक्तियां गंवाने वाले आंदोलित

झारखंड में करीब 25 दिन तक चले छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विवादित कंपनी टीडीपीएल के संचालन में हुई जेपीएससी-14, जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की। साथ ही घोषणा कर दी कि जेपीएससी 11 व 13 की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा परीक्षाओं के घोषित परिणाम भी रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। यानी टीडीपीएल के माध्यम से जो भी अभ्यर्थी चुने गए, उनका चयन भी रद्द कर दिया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ग्यारह मंत्रियों के साथ इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श किया। छात्र आंदोलन के दबाव में काम कर रही राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। दरअसल, छात्रों के कई खेमे अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिन परीक्षाओं को रद्द किया गया,उनमें चौदहवीं जेपीएससी सिविल सेवा रेगुलर, जेपीएससी बैकलॉग 2023, जेपीएससी बैकलॉग 2025, फॉरेस्ट रेंज अफसर, सहायक वन संरक्षक और सिविल जूनियर आदि की नियुक्तियां शामिल हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का संचालन जेपीएससी के माध्यम से किया गया। वहीं दूसरी ओर सीजीएल परीक्षा से चयनित 1975 लोगों की नौकरियां भी अब समाप्त मानी जाएंगी। सरकार ने वायदा किया है कि वर्ष 2014 के बाद हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच भी की जाएगी। यह जांच कार्य एक न्यायिक आयोग करेगा। बाकायदा एक आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में सुधारों के लिये एक कमेटी भी बनायी गई है। हालांकि, कुछ आंदोलनकारी छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। हालांकि, सरकार की घोषणा के बाद छात्रों का आंदोलन तो खत्म हो गया, लेकिन इस घोषणा के बाद सचिवालय परिसर में उन नियुक्त प्रतिभागियों की भीड़ जुट गई, जो जेएसएससी के माध्यम से परीक्षा उतीर्ण करके नौकरी हासिल कर चुके थे। सरकार की घोषणा के तुरंत बाद विभिन्न चयनित प्रतिभागियों का हुजूम सचिवालय में जमा होना शुरू हुआ। उनके लिये यह खबर स्तब्ध करने वाली थी। उनका दुख और गुस्सा स्वाभाविक ही है।

> “ छात्र आंदोलन के दबाव में काम कर रही राज्य सरकार की कैबिनेट बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। दरअसल, छात्रों के कई खेमे अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत थे। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार जिन परीक्षाओं को रद्द किया गया,उनमें चौदहवीं जेपीएससी सिविल सेवा रेगुलर, जेपीएससी बैकलॉग 2023, जेपीएससी बैकलॉग 2025, फॉरेस्ट रेंज अफसर, सहायक वन संरक्षक और सिविल जूनियर आदि की नियुक्तियां शामिल हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का संचालन जेपीएससी के माध्यम से किया गया।

बहरहाल, अब राज्य सरकार के खिलाफ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में चयनित होने के बाद हटाये गए लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री एक बयान देकर दो हजार लोगों को सरकारी नौकरी से कैसे निकाल सकते हैं? वे इसे सरकारी अन्याय बता रहे हैं। उनकी दलील है कि हम सुबह नौकरी पर थे,लेकिन शाम होते ही हमें नौकरी से हटा दिया गया। उनका कहना था कि कोर्ट के आदेश के बाद ही हमें नौकरी मिली है। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दिसंबर 2023 में आयोजित हुई थी। लेकिन पेपर लीक होने के बाद परीक्षा सितंबर 2024 में फिर से हुई। फिर पेपर लीक की आशंका के बीच मामला अदालत पहुंचा। कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। साथ ही तीस दिसंबर को सफल प्रत्याशियों को बाकायदा नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र दे दिए गए। अब सरकार द्वारा ये नियुक्तियां रद्द करने से प्रतिभागी बदहवास हैं क्योंकि कई लोगों ने लोन लेकर अपना जीवन स्तर सुधारा, उनकी बैंक की किश्तें जा रही हैं। अब उनकी आंखों के सामने अंधेरा है। उनकी मांग है कि सरकार कायदे से जांच कर ले, लेकिन उन्हें नौकरी से न हटाए। सभी लोग धांधली से भर्ती नहीं हुए हैं। उनका तर्क है कि भीड़ के दबाव में निर्दोष लोगों को सजा नहीं दी जा सकती। हटाये गए कर्मचारियों की आंखें नम हैं। उनमें कई लोग ऐसे हैं जो अपनी दूसरी नौकरियां छोड़कर सरकारी नौकरी के प्रलोभन में आए। दुखी व हताश हटाये गए कर्मचारी बारिश में धरने पर बैठे रहे क्योंकि उन्हें अधिकारियों ने सचिवालय से बाहर कर दिया था। वहीं दूसरी ओर हटाए गए कर्मियों के घर वाले भी सदमे में हैं। राज्य सरकार भी मुश्किल में है क्योंकि सीबीआई जांच की मांग कर रहे छात्रों की दलील है कि उनका आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। वहीं सरकार के सामने हटाये गए अधिकारियों व कर्मचारियों का नया मोर्चा खुल गया है। हटाये गए कर्मचारी इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। वे सरकार के लिखित आदेश की प्रतीक्षा में हैं।

स्टील फ्रेम का पुनर्निर्माण : शासन करने से लेकर सेवा तक, समयबद्ध सुधारों का सिलसिला

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब अंग्रेज 1947 में भारत छोड़कर वापस ब्रिटेन जाने लगे, तो वे एक मुहावरा अपने पीछे छोड़ गए : स्टील फ्रेंम। इसे वे भारतीय सिविल सेवा कहते थे, वह प्रशासनिक ढांचा जिसके जरिए ब्रिटिश राज अपनी हुकूमत चलाता था। स्टील आसानी से नहीं झुकता, और यही वास्तबविक बात थी। यह ढांचा एक साम्राज्य को स्थिर बनाए रखने के लिए बनाया गया था, न कि उन लोगों की बात सुनने के लिए जिन पर उसने शासन किया था। आजादी के बाद दशकों तक हमें वो फ्रेम विरासत में मिला। हमने उसे नया नाम दिया, उसे खादी का आवरण पहनाया और खुद को बताया कि अब यह हमारा अपना है। लेकिन नियंत्रण के लिए बनाया गया फ्रेम स्वखभाविक रूप से सेवा के लिए बनाया गया ढांचा नहीं है। और हमारे गणतंत्र के पहले कई दशकों तक, भारत अपने उपनिवेशक देश के ढांचे के अंदर ही बना रहा। एक ही फॉर्म को तीन प्रतियों में दाखिल करता रहा, उन्हीं ऊंची कुर्सियों के सामने कतारों में खड़ा होता रहा और अपने भाग्य के फैसले के लिए किसी साहब की प्रतीक्षा करता रहा।

मैंने अपने कामकाजी जीवन का अधिकांश समय इस ढांचे के अंदर बिताया है। पहले एक नागरिक के रूप में और एक प्रोफेशनल के रूप में, फिर भारत सरकार में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन का प्रभार सौंपे गए मंत्री के रूप में, जिस विभाग का काम ही स्टील फ्रेम की जांच करना और यह पूछना है कि क्या फिर से तैयार करने की आवश्यकता है। इसलिए जब मुझसे पूछा जाता है कि क्या भारत ने अपनी नौकरशाही में सुधार किया है, तो मेरे उत्तरर में न तो किसी संस्थान की रक्षा करने वाले व्यक्ति का ढाल बनना है, न ही किसी ऐसे व्यक्ति की निंदा है जिसने इसे छोड़ दिया है। यह एक ऐसे व्यक्ति का उत्तर है, जिसने एक ऐसी प्रणाली के बारह वर्षों के शांत लेकिन दृढ़ पुनर्निर्माण को अंदर से देखा है, जिसे स्वतंत्रता के बाद से सार्थक रूप से नहीं छुआ गया था। अगर नरेन्द्र मोदी, जो अपनी पथ-प्रदर्शक सोच के लिए जाने जाते हैं, भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में पदभार नहीं संभालते तो शायद अब भी अछूता रह गया होता।

विचार करें कि हमने कहां से शुरुआत की। 2014 में, केंद्र सरकार से एक नागरिक की शिकायत को अगर हल कर लिया गया, तो इसे करने में औसतन 157 दिन लगे। अगर शिकायत दर्ज कर भी ली गई, तो इसका मतलब देश भर में फैले मुश्किल से दस हजार शिकायत अधिकारियों के साथ एक प्रणाली की खोज करना था, जिनमें से अधिकांश तक पहुंच नहीं थी और वे सभी किसी भी वास्तविक समय सीमा के प्रति कोई जवाबदेह नहीं थे। नौकरी के लिए सरकारी कार्यालय के बाहर कतार में खड़ा एक युवक, अपने पति की पेंशन फाइल का पता लगा रही एक विधवा, यह जानने की कोशिश में लगा एक किसान कि उसके फसल बीमा दावे की फाइल किसी मंत्रालय की अलमारी में से क्यों गायब हो गई, इन सबके सामने एक ही स्थिति थी। उनका सामना नागरिकों को प्रतीक्षा कराने के लिए डिज़ाइन की गई एक सिस्टएम से और ऐसे अधिकारियों से था, जिनका किसी भी परिणाम के प्रति कोई उत्त रदायित्वह नहीं था। यह केवल अक्षमता नहीं थी। यह उस प्रशासन का अंतिम जीवित अवशेष था जिसका निर्माण समाधान उपलब्धत कराने के बजाय डराने के लिए किया गया था।

आज के साथ इसकी तुलना राय का विषय नहीं है; यह संख्याओं में वर्णित है। शिकायत निपटान का समय 157 दिन घटकर 15 दिन रह गया है। आज का हमारा सिस्टतम नौ गुना अधिक सालाना लगभग 3 लाख से बढ़कर 27 लाख शिकायतों का निवारण करता है। इन शिकायतों का निवारण करने वाले अधिकारियों की संख्या दस गुना से अधिक बढ़कर एक लाख तक पहुंच गई है। इस वर्ष मार्च में ही, केंद्रीय सचिवालय ने लगातार पैंतालीसवें महीने में एक लाख शिकायतों के निवारण के आंकड़े को पार कर लिया है। हमने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) का एक ऐसे प्लेकटफॉर्म में निर्माण किया है जो अब 22 भाषाओं में बोलता है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके एक नागरिक की शिकायत को सही डेस्क पर ले जाता है। यहां तक कि एक दूरस्थे गांव में एक किसान की आवाज में, उसकी अपनी भाषा में, एक चैटबॉट के माध्यम से शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाता है। काफी जानबूझकर, हमने इसका नाम समाधान दीदी अर्थात् 'समाधान करने वाली बहन' रखा था। जिस ग्रामीण को अपने काम के लिए कभी जिला कार्यालय की यात्रा करने की आवश्यकता होती थी और उम्मीद करनी होती थी कि उसका काम सरलता से हो जाए, वह अब अपनी पंचायत में एक सामान्य सेवा केंद्र से यह काम कर सकता है। हर महीने की बीस तारीख को सीएससी-सीपीजीआरएएमएस दिवस के रूप में निर्धारित किया जाता है ताकि यह वादा अंतिम मील तक पहुंच सके।

लेकिन वह गहरा परिवर्तन, जिसे मैं स्टील फ्रेम का सच्चा सुधार मानता हूं, वह डिजिटल प्लंबिंग नहीं है। यह इस दर्शन में बदलाव है कि हम अपने प्रशासनिक अधिकारियों का निर्माण कैसे करते हैं। 70 वर्षों तक, सरकार नियम-आधारित संस्कृति पर चलती रही: एक अधिकारी को इस बात से आंका जाता था कि क्या उसने सही प्रक्रिया का पालन किया था, न कि इस बात से कि उसने नागरिक की समस्या को हल किया है या नहीं। 2020 में, हमने मिशन कर्मयोगी लॉन्च किया, जो प्रशासनिक सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम है। हमने इस कार्यक्रम को इसी भूमिका-आधारित संस्कृति में परिवर्तित करने के लिए लॉन्चच किया था, जहां एक अधिकारी को इस आधार पर प्रशिक्षित और मूल्यांकन किया जाता है कि उसकी नौकरी वास्तव में उससे क्या मांग करती है, न कि औपनिवेशिक युग की नियम पुस्तिका में क्याा वर्णन किया गया है। आज एक ग्राम-स्तरीय क्लर्क से लेकर भारत सरकार के सचिव तक 1.65 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी, आईजीओटी कर्मयोगी नामक एक सामान्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीखते हैं, जो अब हिंदी और सत्रह अन्य भारतीय भाषाओं में पांच हजार से अधिक पाठ्यक्रम संचालित करता है। पहली बार, हमने औपचारिक रूप से इस सीखने को एक अधिकारी की पदोन्नचति के लिए आवश्यबक वार्षिक मूल्यांकन अर्थात् निष्पा दन मूल्यांकन रिपोर्ट से जोड़ा है। हमने अधिकारियों की भर्ती और प्रशिक्षण के तरीके से औपनिवेशिक अवशेषों को हटाने के लिए चुपचाप लेकिन लगातार काम किया है। 2016 के बाद से, निचले और मध्यम स्तर की सरकारी नौकरियों, ग्रुप सी और अराजपत्रित ग्रुप बी पदों के लिए साक्षात्कार, जिन पदों पर पारंपरिक रूप से एक साक्षात्कार का मतलब पक्षपात होता था और अक्सर रिश्वत दी जाती थी, को केंद्र सरकार के कार्यालयों में समाप्त कर दिया गया है। 24 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों ने भी इसका अनुसरण किया है। हमने पुरानी आवश्यकता को खत्म कर दिया कि एक उम्मीदवार को एक सरकारी फॉर्म भरने के लिए भरोसा करने से पहले एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित और पुष्टि की जाए। यह एक औपनिवेशिक युग की प्रथा थी जो हर नागरिक को जालसाजी का दोषी मानती थी जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए। हम नौकरशाही औपचारिकता के लिए महीनों इंतजार करवाने के बजाय सफल उम्मीदवारों को पुलिस सत्यापन होने तक अस्थायी रूप से अपनी नई नौकरियों में शामिल होने देते हैं। हमने 1600 से अधिक अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया है, जिनका उद्देश्य केवल हमें यह याद दिलाना था कि हम पर पहले किसने शासन किया था। आज जब मैं युवा अधिकारियों से मिलता हूं, तो मैं उन्हें स्पष्ट रूप से बताता हूं कि मैंने इस साल की शुरुआत में उनसे क्याा कहा था: कि अभी भी दिमाग में सबसे बड़ा सुधार करने की आवश्य कता यह है कि अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को दूर किया जाए। जब प्रधानमंत्री ने हमारे मंत्रालय को नॉर्थ ब्लॉक, जिसका हर पत्थ र किसी साम्राज्यज पर शासन के लिए बिछाया गया था, से बाहर कर्तव्यश भवन में स्थाकनांतरित किया, तो यह केवल पते में बदलाव नहीं था। यह एक वक्तोव्यस था कि भारत का कामकाजी शब्दथ कर्तव्य होना चाहिए, न कि नियंत्रण।

इस सब के साथ-साथ एक शांत सुधार चल रहा है, जिसका उद्देश्य कार्यालय के बाहर के नागरिक के लिए नहीं बल्कि उन महिलाओं पर है जो कार्यालय को भीतर से चलाती हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास के अधिकांश समय में, सरकारी सेवारत महिलाओं को जन्म के समय अपने एक बच्चे को खो देने पर शोक मनाने के लिए कोई औपचारिक छुट्टी नहीं थी; आज वह साठ दिनों के विशेष मातृत्व अवकाश की हकदार है। यह एक ऐसी पात्रता है, जिसे हमने 2022 में प्रदान किया था। इसे मैं केवल करुणा की एक अतिदेय भावना कह सकता हूं, जिसे हमने तब से उन सभी माताओं को उपलब्धव कराया है जो सरोगेसी के माध्यम से भी अपने परिवार की देखरेख करती हैं। हम चाइल्ड केयर लीव की सुविधा का लाभ महिलाओं की हर पोस्टिंग तक उपलब्ध कराते हैं। यहां तक कि सरकार उसे विदेश यात्रा के लिए भी इसका उपयोग करने की अनुमति देती है। एक सिंगल मदर को एक कैलेंडर वर्ष में इसके छह अवसर देते हैं, जबकि दूसरों को केवल तीन की ही अनुमति दी जाती है। दिव्यांग महिला अधिकारियों को नवजात शिशु की परवरिश में मदद करने के लिए मासिक भत्ता मिलता है। सरकारी कर्मचारी के दिव्यांग बच्चे के लिए शिक्षा भत्ता दोगुना कर दिया गया है। इनमें से कुछ भी जीडीपी चार्ट में दिखाई नहीं देगा, लेकिन यह इस बात में दिखाई देता है कि क्या एक महिला अब सरकारी सेवा में बने रहने का विकल्प चुनती है जिससे वे एक लंबे समय तक चुपचाप बाहर रही थी। बेशक, इनमें से कोई भी मायने नहीं रखता है, जब तक कि एक आम नागरिक के जीवन में कुछ न बदले, और ऐसा न हो। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार मेलों के माध्यम से 12 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, जो संपर्क और प्रभाव के पुराने रिवाज के बिना वितरित किए गए हैं। मसूरी में एक कॉमन फाउंडेशन कोर्स है, जहां एक आईएएस अधिकारी और एक आईपीएस अधिकारी अपने अलग-अलग संवादहीनता को बनाए रखने के बजाय कंधे से कंधा मिलाकर प्रशिक्षण लेते हैं, ताकि जब वे वर्षों बाद किसी नागरिक से मिलें, तो वे तीन प्रतिस्पर्धी विभागों के बजाय एक सरकार के रूप में कार्य करें। यह सुविधा अब एक पेंशनभोगी के पास है, जो अब बैंक की कतार में खड़े होने के बजाय अपने घर से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बना सकती है। एक युवा आकांक्षी छात्र के पास जो हर परीक्षा के लिए एक ही फॉर्म भरने के बजाय यूपीएससी पोर्टल पर एक बार पंजीकरण करता है। सरकारी सेवा में ओबीसी प्रतिनिधित्व 2014 से 19 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत हो गया है। अंग्रेजों ने हमें जो स्टील फ्रेम छोड़ा था, वह कभी भी रातोंरात नष्ट नहीं होने वाला था, और न ही होना चाहिए; संस्थाएं स्मृति को संजोती हैं और स्मृति के अपने उपयोग होते हैं। ऐसी सरकार जो शासन करने के बजाय सेवा करे और केवल प्रशासन करने के बजाय जनता के प्रति उत्तीरदायी हो।

(लेखक प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री हैं)

पीड़ा को महसूस करने से ही समझदारी आती है

एन. रघुरामन

हममें से कई लोगों ने ऐसी कोई फिल्म या टीवी सीरियल जरूर देखे होंगे, जिनकी कहानियां मेडिकल से जुड़े हालात के इर्द-गिर्द घूमती हैं। इनमें डिलीवरी के बाद मरीज को अचानक से पोस्टपार्टम हैमरेज (पीपीएच) होता है- यानी अत्यधिक ब्लीडिंग, जो जानलेवा हो सकती है।

'ग्राम चिकित्सालय' ऐसा ही एक सीरियल है, जिसमें युवा, प्रतिभाशाली और आदर्शवादी डॉक्टर प्रभात झारखंड में सुदूरवर्ती गांव भटकंडी के उपेक्षित प्राइमरी हेल्थ सेंटर की जिम्मेदारी संभालते हैं। वे वहां जरूरी बदलाव लाने के लिए दृढ़ होते हैं, लेकिन फिर पाते हैं कि कुछ और बदलने से पहले उन्हें खुद को बदलना होगा। ऐसे एंटरटेनमेंट में किरदार डायरेक्टर की बताई भूमिकाएं ही निभाते हैं और वही बोलते हैं, जो किसी ने उनके लिए लिखा है। हम भी हमेशा यही चाहते हैं कि हमारे सामने ऐसी कोई स्थिति आए, तो हम भी वैसा ही व्यवहार करें। लेकिन महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के जिंटल तालुका स्थित दूरदराज की आदिवासी बस्ती 'घोड़नकप्पी' के निवासी तुलसीराम गेडाम ने ऐसा कुछ किया।

जिसे किसी लेखक या डायरेक्टर ने कभी पर्दे पर दिखाने के बारे में नहीं सोचा होगा। और इसे ही 'एक युवा पिता की विज्डम' कहते हैं। उन्होंने साबित किया कि 'विज्डम' हमेशा उम्र के साथ नहीं आती। कई बार यह इतना गहरा घाव लगने के बाद आती है कि इंसान का दुनिया देखने का नजरिया ही बदल जाता है।

14 जून को प्रेग्नेंसी के 33वें हफ्ते (नॉर्मल डिलीवरी 40वें हफ्ते में होती है) में घर पर बच्चे को जन्म देने के बाद तुलसीराम की 25 वर्षीय पत्नी संगीता को पीपीएच होने लगा। परिवार ने हेल्थ डिपार्टमेंट से संपर्क किया। तुरंत गांव के समीप पहाड़ी पर वहां तक एंबुलेंस भेजी गई, जहां तक पहुंचना संभव था। परिजन महिला को लेकर कठिन रास्तों से होते हुए एंबुलेंस तक पहुंचने को जूझते रहे। इस मशक्कत में मेडिकल टर्मिनोलॉजी में कहे जाने वाला 'गोल्डन ऑवर' टाइम निकल गया।

संगीता को ट्रीटमेंट मिलता, उससे पहले ही अत्यधिक खून बहने से उसकी मृत्यु हो गई। लगभग 2.2 किलो वजन वाले नवजात की हालत स्थिर बताई गई। बहुत से लोग यहीं रुक जाते। कुछ सरकार को दोष देते। कुछ विरोध करते। कुछ मुआवजा मांगते और कुछ स्वाभाविक तौर पर दुख के साथ घर लौट जाते। लेकिन तुलसीराम ने कुछ और, अधिक कठिन रास्ता चुना। उन्होंने खुद से पूछा कि ऐसा क्या कर सकते हैं, ताकि किसी दूसरे परिवार को उसके परिवार जैसी पीड़ा न झेलनी पड़े।

यह बहुत गहरी सोच है। अपनी निजी पीड़ा को पब्लिक पर्पज में बदलने के लिए खास तरह की मैच्योरिटी जरूरी होती है। और जब इस पीड़ा को ढोने वाला व्यक्ति इतना युवा हो तो यह और अधिक उल्लेखनीय हो जाता है। तुलसीराम के पास न तो समय की लग्जरी है और न आरामदायक जीवन।

उन्हें दो छोटे बच्चों की परवरिश करनी है और उन्होंने इस जिम्मेदारी को शेयर करने वाले को भी खो दिया। उनके पास दुख में डूबे रहने की हर वजह है। लेकिन इसके बजाय उन्होंने किसी और की पत्नी, किसी और के बच्चे, किसी और की इमरजेंसी के बारे में सोचना शुरू किया। यहीं से 'विज्डम' शुरू होती है।

तुलसीराम को समझ आया कि सड़क महज सड़क नहीं होती। घोड़नकप्पी के 20 परिवारों के लिए यह हॉस्पिटल तक पहुंचने का जरिया है। यह किसी प्रेग्नेंट महिला की सुरक्षा, किसी बच्चे का स्कूल रूट और किसी बुजुर्ग की गरिमा है।

यह इमरजेंसी और ट्रैजेडी के बीच का अंतर है। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर मुख्य सड़क तक 1.5 किमी लंबे रास्ते का निर्माण शुरू किया। स्वैच्छिक श्रमदान के जरिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर काम शुरू हुआ। अब रास्ते का आधा काम पूरा हो चुका है।

फंडा यह है कि हम अकसर समझदारी को सफेद बालों, वर्षों के अनुभव और जीवन को लेकर लंबे-चौड़े भाषणों से जोड़ कर देखते हैं। लेकिन शायद समझदारी इससे कहीं अधिक सरल है। यह अपनी पीड़ा से सीखने और यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि वही पीड़ा किसी और की किस्मत में न आए।

लोकतंत्र को संबल देता है अहिंसक प्रतिरोध

विश्वनाथ सचदेव

अपनी सरकार के किए-अनकिए पर सवाल उठाना हर नागरिक का अधिकार है—और कर्तव्य भी। नागरिक की यह जागरूकता जनतंत्र की सफलता की शर्त भी है और इस बात का प्रमाण भी कि देश में जनतांत्रिक मूल्य जीवित हैं।

जानवर सोचते हैं या नहीं, पता नहीं, पर मनुष्य की एक पहचान यह मानी जाती है कि यह सोचता है। फ्रांसीसी विचारक डेकार्ते ने कहा था, 'मैं सोचता हूं, इसलिए मैं हूं।' यह ज़रूरी नहीं कि फ्रांसीसी विचारक की इस बात से हम सहमत हों ही, पर यह ज़रूरी है कि इस सोचने का अर्थ और महत्व समझा जाए। आज़ादी की 80वीं वर्षगांठ पर लाल किले की प्राचीर से किए गए प्रधानमंत्री के उद्‌बोधन में 'दिमाग़ी नक्सलियों' के उल्लेख के बाद देश में एक विवाद-सा चल गया है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि देश 'हथियारी नक्सलियों से तो मुक्त हो चुका है, पर दिमाग़ी नक्सलियों से मुक्त होना अभी बाकी है।'

हालांकि उन्होंने यह तो नहीं बताया कि दिमाग़ी नक्सली वे किसे कह रहे हैं, पर यह अवश्य कहा कि इन दिमाग़ी नक्सलियों को चुन-चुनकर समाप्त करना होगा। वैसे, इस तरह के विशेषण प्रधानमंत्री जी पहले भी देते रहे हैं। कभी उन्होंने 'अर्बन नक्सली' कहकर एक विशेष सोच वाले लोगों को देश का दुश्मन कहा था, कभी 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कभी 'अराजकतावादी' कहकर।

नक्सलवाद की बात देश की राजनीति में साठ के दशक में सामने आई थी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में एक गांव है नक्सलबाड़ी। वर्ष 1967 में वहां स्थानीय किसानों और भूस्वामियों के बीच भूमि-अधिकारों को लेकर एक सशस्त्र संघर्ष हुआ था, जिसका नेतृत्व कम्युनिस्ट विचारधारा में विश्वास करने वाले चारु मजूमदार और कानू सान्याल कर रहे थे। ये दोनों नेता यह मानते थे कि 'न्यायहीन दमनकारी वर्चस्व को सशस्त्र क्रांति से ही समाप्त किया जा सकता है।' एक अर्से तक यह सोच बंगाल, उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश आदि में पनपती रही, पर गांधी के भारत को यह स्वीकार नहीं था। यह देश पीड़ितों के दमन को तो समाप्त करना चाहता है, पर हथियारों के बल पर नहीं। प्रधानमंत्री जिन हथियारी नक्सलियों के खात्मे की बात कर रहे हैं, वह यही नक्सली थे। सशस्त्र क्रांति में विश्वास करने वाले लोगों को नक्सलबाड़ी गांव के नाम से नक्सली कहा गया। देश के गृहमंत्री का दावा है कि लगभग आधी सदी के संघर्ष के बाद आज देश में ये हथियारी नक्सली लगभग समाप्त हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक सीमा तक इस सफलता का श्रेय ले सकती है, पर दलितों, आदिवासियों के शोषण के विरुद्ध सोच को समाप्त करना न तो संभव है, न ही उचित। शोषण कहीं भी हो, किसी भी रूप में हो, उसका विरोध होना ही चाहिए। लेकिन इसके लिए हथियारों का सहारा लेना उचित नहीं कहा जा सकता। विषमता के विरुद्ध और समानता के पक्ष में खड़ा होना ग़लत नहीं है। राष्ट्रपिता बापू हमें रास्ता दिखा गए थे। अहिंसा के उस रास्ते पर चलकर हमने आज़ादी ली, सारी दुनिया ने गांधी के इस चमत्कार को देखा

और सराहा। यदि आज हम हिंसा की राह पर चलकर सफलता पाने की सोच का विरोध करते हैं, तो इसे दुनिया को भारत की एक देन के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। इसीलिए जब हिंसक तरीकों से कुछ करने या पाने की हिमायत होती है, तो भारत की जनता स्वाभाविक रूप से उसकी भर्त्सना करती है। यह इस देश का मानस है। बुद्ध, महावीर और गांधी जैसे महापुरुषों ने अहिंसा की इस सोच को खाद और पानी दिया है। इसलिए जब उपलब्धियों की इस राह के पक्ष में कोई बात कही जाती है, तो भारत की जनता का समर्थन अनायास ही उसे मिल जाता है। पर यहीं पर इस बात का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि हमारा भारत विवेक और विमर्श की नीति में विश्वास करता है। जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है, उसमें अपनी बात कहने के अधिकार के साथ-साथ दूसरे के अपनी राय रखने के अधिकार को भी स्वीकार किया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन में हमारे प्रधानमंत्री ने दिमाग़ी नक्सलियों को समाप्त करने की जो बात कही है, उसमें विचार की स्वतंत्रता और अधिकार की समाप्ति की बात के लिए कोई स्थान नहीं है। विचार की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा हर कीमत पर होनी चाहिए।

नक्सलवाद के हिंसक तरीके का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन शोषण और दमन के विरुद्ध आवाज़ उठाने के अधिकार को भी स्वीकार किया जाना ज़रूरी है। आज यदि कोई भारतीय इस अधिकार के संदर्भ में स्वयं को दिमाग़ी नक्सली कहता है, तो उसे देशद्रोही नहीं कहा जा सकता। बेहतर होता प्रधानमंत्री अपने उद्‌बोधन में 'दिमाग़ी नक्सली' को परिभाषित भी कर देते। यह विशेषण उतना ही भ्रामक है, जितना 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' अथवा 'अर्बन नक्सली'। इस तरह के जुमले चर्चा का विषय तो आसानी से बन जाते हैं, राजनीतिक दृष्टि से कुछ तात्कालिक लाभ भी मिल सकता है, पर जुमलों की राजनीति बहुत दूर तक नहीं ले जाती। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने अपने लगभग अस्सी मिनट के भाषण में बहुत कुछ कहा था। उस सब पर देश में चर्चा होनी चाहिए थी। वस्तुतः आज़ादी की वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री का भाषण अपनी सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं को देश के सामने रखने वाला होना चाहिए। उसे राजनीतिक विरोधियों पर वार करने के हथियार के रूप में काम लेना उचित नहीं है।

प्रधानमंत्री जी से अपेक्षा यह भी थी कि वे देश की वर्तमान स्थिति का हवाला देते हुए युवाओं, किशोरों और बच्चों के भी आलोड़न के बारे में कुछ ठोस विचार रखते। जंतर-मंतर पर आयोजित युवाओं का आंदोलन हो या झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में चल रही धांधली, उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री ऐसे प्रकरण को अपने भाषण का विषय बनाएंगे। पर, दुर्भाग्य से, यह अपेक्षा पूरी नहीं हुई। उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री कुछ मरहम लगाएंगे, पर उन्होंने बौद्धिकों द्वारा सरकार के समक्ष सवाल उठाने को ही एक तरह से कटघरे में खड़ा कर दिया। सच तो यह है कि उन्होंने जो कहा, उससे देश का सोचने-समझने वाला हर नागरिक एक तरह से निशाने पर था।

अपनी सरकार के किए-अनकिए पर सवाल उठाना हर नागरिक का अधिकार है—और कर्तव्य भी। नागरिक की यह जागरूकता जनतंत्र की सफलता की शर्त भी है और इस बात का प्रमाण भी कि देश में जनतांत्रिक मूल्य जीवित हैं। ऐसे में दिमाग़ी नक्सली जैसा जुमला उछालकर एक तरह से भ्रम की स्थिति ही पैदा की गई है। सोचने की क्षमता को मनुष्य के अस्तित्व से जोड़कर डेकार्ते ने एक मानक स्थापित कर दिया था। सोचने-समझने वालों को नक्सलवाद जैसी हिंसक परिकल्पना से जोड़कर उस मानक को ही नकारा गया है। कुछ सोचकर करने वाला ही कुछ बेहतर कह सकता है और कुछ बेहतर कहकर ही व्यक्ति समाज को बेहतर बनाने में कुछ योगदान कर सकता है। आज़ादी की वर्षगांठ जैसे अवसर नेतृत्व और जनता दोनों के लिए अपनी उपलब्धियों और कमियों का लेखा-जोखा करने के मौके होते हैं। इस लेखे-जोखे को जुमले में उछालकर कुछ खोया ही जा सकता है, पाया नहीं। भाषणों में ऐसे जुमले अच्छे लग सकते हैं, पर ये देशहित के लिए अच्छे होते नहीं। सच कहें तो जुमले से बात बनती नहीं।

बात बनाने के लिए स्पष्ट बात करना ज़रूरी है। बहुत कुछ है हमारे पास अपने देश की उपलब्धियां गिनाने के लिए, पर इससे कहीं अधिक उपलब्धियों की आवश्यकता है हमें। सबसे बड़ी और ज़रूरी उपलब्धि साथ मिलकर आगे बढ़ने की है। यह काम अपनी बात कहकर ही पूरा नहीं किया जा सकता, इसके लिए दूसरे की बात सुननी भी ज़रूरी होती है—और समझनी भी। किसी को भी नक्सली कहना मुश्किल नहीं है, पर नक्सली सोच वाला कहकर हम एक तरह से उसे हाथ पकड़कर साथ चलने के अवसर से ही वंचित कर रहे होते हैं। अस्वीकार्य है यह स्थिति।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी एवं उनकी धर्मपत्नी का हुआ सम्मान

दुर्ग। दुर्ग जिले में मानव सेवा एवं गौ सेवा पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन बंटी शर्मा का साईं म्यूजिकल ग्रुप, दुर्ग द्वारा सम्मान किया गया। 17 अगस्त को सागर इंटरनेशनल, दुर्ग में साईं म्यूजिकल ग्रुप दुर्ग द्वारा जय हिंद महोत्सव एवं जय हिंद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन बंटी शर्मा को समर्पित समाज सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। दुर्ग जिले की जन समर्पण सेवा संस्था जिनके द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य आज शहर एवं पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय उदाहरण हैं। संस्था के सदस्य विगत 9 वर्षों से मानसिक रूप से कमजोर, विक्षिप्त की मदद, दिव्यांग जनोँ को उनकी जरूरत की सामग्री वितरण, गौ माता को रेडियम पट्टी लगाना, पशु–पक्षियों के दाना पानी के लिए सकोरे, कोटना का वितरण करना, हर जरूरतमंदों को उनकी जरूरत की सामग्री जैसे बर्तन, कम्बल, साबुन, निरमा आदि का वितरण ऐसे सरहानीय एवं नेक कार्य संस्था के युवा सदस्य बिना रुके बिना किसी दिन नागा किये निरन्तर जारी रखे हुए है। संस्था द्वारा नि:शुल्क एंबुलेंस सुविधा के साथ साथ गंभीर बीमारी से ग्रसित या दुर्घटना से गंभीर चोटे आने पर उपयोग की जाने वाली सामग्री मेडिकल पलंग व्हीलचेयर कम्मोट चेयर वाकर जैसी सामग्री भी संस्था के सदस्य सुजल शर्मा मोबाइल नंबर 9754656971 के द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

इको केयर एवं आपदा प्रबंधन अभियान' के तहत सुरक्षा एवं मानसिक सुदृढ़ता पर जागरूकता सत्र आयोजित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के 'इको केयर एवं आपदा प्रबंधन अभियान' के अंतर्गत मानसिक एवं भावनात्मक सुदृढ़ता, शांतचित्त निर्णय क्षमता तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया की तैयारी पर केंद्रित जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। संयंत्र के चार प्रमुख विभागों में आयोजित इन सत्रों में कुल 139 कार्मिकों ने सहभागिता की। इनमें प्लेट मिल के 23, एम एंड यू के 47, सीओसीसीडी के 39 तथा एसएमएस–2 के 30 कार्मिक शामिल रहे। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार की संकल्पना एवं मार्गदर्शन में भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों में 'इको केयर एवं आपदा प्रबंधन अभियान' के अंतर्गत विशेष जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों में मानसिक एवं भावनात्मक सुदृढ़ता, सकारात्मक सोच, संकट की परिस्थितियों में शांतचित्त निर्णय लेने की क्षमता तथा आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति बेहतर तैयारी को बढ़ावा देना था।

विकसित भारत-जी राम जी योजना से रोजगार, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को मिली नई गति

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित भारत–जी राम जी योजना के तहत दुर्ग जिले में ग्रामीण रोजगार के साथ जल संरक्षण, स्वच्छता और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति मिली है। 1 जुलाई 2026 से लागू नई व्यवस्था के तहत ग्रामीण परिवारों को एक वर्ष में 125 दिनों तक

रोजगार की गारंटी दी जा रही है। योजना में मजदूरों को समय पर मजदूरी उपलब्ध कराने के साथ ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिल सके।

योजना के तहत जिले में सिंगल नोडल अकाउंट के माध्यम से मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया गया है। जनपद पंचायत पाटन में 23.81 लाख, धमधा में 38.76 लाख और दुर्ग में 50.17 लाख, इस प्रकार कुल 112.74 लाख की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। मजदूरों को पारदर्शी एवं सुविधाजनक भुगतान सुनिश्चित करने के लिए राशि सीधे उनके बैंक अथवा डाकघर खातों में **DBT** के माध्यम से भेजी जा रही है।

योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना लागू होने के बाद जिले में कुल 587 निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें जनपद पंचायत दुर्ग के 118, धमधा के 227 और पाटन के 242 कार्य शामिल हैं। स्वीकृत कार्यों में 77 तालाब गहरीकरण, 40 नाली निर्माण, 45 नाला पुनरुद्धार, 5 असफल नलकूपों की रिचार्जिंग तथा 17 ट्रेंच निर्माण सहित जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को मजदूरी आधारित रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों में ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जो आने वाले वर्षों में जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उपयोगी साबित हों। बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को एक वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी।

बीएसपी के प्लांट गैरेज में नए आरटी क्रैन, मैन लिफ्टर एवं पैसेंजर वैन का निदेशक प्रभारी ने किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के प्लांट गैरेज ने अपने उपकरण बेड़े का विस्तार करते हुए तीन नए आरटी क्रेन, एक मैन लिफ्टर तथा एक टाटा विंगर पैसेंजर वैन को शामिल किया है। 17 अगस्त 2026 को प्लांट गैरेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्तरंजन महापात्र ने इन उपकरणों का उद्घाटन कर संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों को औपचारिक रूप से सौंपा।

प्लांट गैरेज हेतु 75 टन एवं 40 टन क्षमता के दो आरटी क्रेन, कोकओवन हेतु 40 टन क्षमता का एक आरटी क्रेन, सीईडी हेतु एक मैन लिफ्टर तथा पर्यावरण प्रबंधन विभाग हेतु एक टाटा विंगर पैसेंजर वैन शामिल हैं। इन आधुनिक उपकरणों के शामिल होने से प्लांट गैरेज, कोकओवन, सीईडी तथा पर्यावरण प्रबंधन विभाग की परिचालन एवं रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने प्लांट गैरेज बिरादरी को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक उपकरणों का समावेश संयंत्र में सुरक्षा, दक्षता एवं उत्पादकता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बीएस6 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप

ये नए उपकरण सामग्री प्रबंधन एवं रखरखाव कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ पर्यावरण प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए सुरक्षित एवं सतत परिचालन में योगदान देंगे। महापात्र ने प्रोजेक्ट मैनेजर एवं महाप्रबंधक (प्लांट गैरेज) बी. डी. बाबू तथा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर एवं महाप्रबंधक (प्लांट गैरेज) प्रदीप्त भौमिक, पीपीएंडई विभाग की एमएम–आईपीएम टीम तथा प्लांट गैरेज विभाग की पूरी टीम द्वारा रिकॉर्ड समय में खरीद प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए किए गए उत्कृष्ट प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की।

कार्यपालक निदेशक ए. के. चक्रवर्ती ने प्लांट गैरेज टीम के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन टीमों के प्रभावी समन्वय एवं सतत प्रयासों से इन महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की खरीद प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारु रूप से पूरी हो सकी। कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार ने कहा कि संयंत्र की बढ़ती परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विस्तार परियोजनाओं को प्रभावी समर्थन प्रदान करने के लिए आधुनिक उपकरणों का समावेश महत्वपूर्ण है। उन्होंने उपकरणों की समयबद्ध कमीशनिंग सुनिश्चित करने में प्लांट गैरेज टीम की सराहना की।

कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार ने कहा कि विश्वसनीय एवं आधुनिक उपकरण सुचारु दैनिक परिचालन की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि नए उपकरण रखरखाव एवं सामग्री प्रबंधन की क्षमताओं को बढ़ाने के साथ–साथ कर्मचारियों के लिए अधिक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एमएंडयू) बी. के. बेहेरा ने प्लांट के उपकरण बेड़े के रखरखाव एवं आधुनिकीकरण में प्लांट गैरेज टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन नए उपकरणों के शामिल होने से परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी तथा कर्मचारियों के लिए अधिक सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।नए आरटी क्रेन एवं मैन लिफ्टर आधुनिक तकनीक से लैस हैं तथा बेहतर लिफ्टिंग एवं रीच क्षमता के साथ उच्च परिचालन दक्षता प्रदान करेंगे।

वहीं, टाटा विंगर पैसेंजर वैन पर्यावरण प्रबंधन विभाग की फील्ड एवं परिवहन संबंधी आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करेगी। आरटी क्रेन की इन–हाउस उपलब्धता से कॉन्ट्रैक्चुअल क्रेन पर निर्भरता कम होगी, जिससे अनुबंधित व्यय में कमी के साथ–साथ महत्वपूर्ण रखरखाव एवं शटडाउन कार्यों के दौरान क्रेन की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी और कार्यों का निष्पादन अधिक तेजी से होगा।

पर्यावरण के प्रति जागरूक रही भिलाई की बेटी सुस्मिता की बंदिश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में पली बढ़ी और वर्तमान में कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्राध्यापक प्रो. सुस्मिता बसु मजुमदार की शास्त्रीय संगीत पर आधारित बंदिशों और उनसी जुड़ी कहानियों को पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन 'बिम्सटेक' ने चयनित किया। उनकी यह बंदिश ढाका (बांग्लादेश) में हुए अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पेश की गई।

उल्लेखनीय है कि 'बिम्सटेक' मूल रूप से बंगाल की खाड़ी के समीपवर्ती सात देशों का एक अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय संगठन है। जिसमें भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान और नेपाल शामिल है। एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर दिए जाने को प्रो. सुस्मिता एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानती हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति विभाग में प्राध्यापक प्रो. सुस्मिता ने बताया कि उन्होंने अपनी किताब पंचशती नव बंदिश संगम में 50 नई बंदिशें लिखी हैं। इनमें से एक शैली हरित है। जिसका शाब्दिक अर्थ 'हरा' है। यह मूल रूप से पर्यावरण के प्रति जागरूकता पर केंद्रित है। इन

बंदिशों में ग्लोबल वार्मिंग और पेड़ बचाने जैसे हालिया मुद्दों को शामिल किया गया है।

प्रो. सुस्मिता ने बताया कि उनकी इन बंदिशों और उनसी जुड़ी कहानियों को 'बिम्सटेक' ने पर्यावरण पर आधारित आयोजन के लिए चुना। 'बिम्सटेक' सचिवालय ने जलवायु सहयोग के लिए सदस्य देशों की क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए विगत दिनों ढाका में एक उच्च–स्तरीय गोलमेज बैठक आयोजित किया था।

जहां उनकी यह बंदिश प्रमुख देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल के तौर पर पेश की गई। यह उल्लेखनीय है कि सुस्मिता बसु मजूमदार की स्कूली शिक्षा बीएसपी के सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर–10 से हुई है। उन्होंने वर्ष 2018 में अपने शहर भिलाई को एक आदरांजली प्रस्तुत करते हुए 'भिलाई एंथम' का यादगार आयोजन भी किया था।

पेंटर-चित्रकारों को भी मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना में शामिल करने की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना 2026 में पेंटर एवं चित्रकार कलाकारों को भी शामिल किए जाने की मांग तेज हो गई है। वर्तमान में योजना में मूर्तिकार एवं शिल्पकारों को शामिल किए जाने तथा पेंटर–चित्रकारों को इससे वंचित रखे जाने पर प्रदेश के कलाकारों ने शासन–प्रशासन से समान अवसर देने की मांग की है।

कलाकारों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में पेंटर, चित्रकार सहित विभिन्न कला विधाओं से जुड़े कलाकार वर्षों से अपनी कला के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, लोक परंपराओं और कला को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में प्रोत्साहन योजना में पेंटर एवं चित्रकारों को शामिल नहीं किया जाना उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार है। कलाकारों के अनुसार योजना के अंतर्गत वर्तमान में मूर्तिकार एवं शिल्पकारों को प्रतिवर्ष 12 हजार से 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रस्तावित है। उनका कहना है कि इसी प्रकार पेंटर एवं चित्रकार कलाकारों को भी योजना की पात्रता में शामिल कर समान रूप से प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जाना चाहिए।

इसी मांग को लेकर छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ एवं छत्तीसगढ़ कलाकार सेवा समिति, दुर्ग के तत्वावधान में दुर्ग में कलाकारों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्कृति विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पेंटर एवं चित्रकार कलाकारों को मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना में शामिल करने के संबंध में आवश्यक निर्णय लेने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में कलाकारों ने एकजुट होकर कहा कि कला की किसी भी विधा से जुड़े कलाकार के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

विधायक ललित चंद्राकर के हाथों 8 दिव्यांगजनों को मिला ट्राइसिकल एवं श्रवण यंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर के निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पात्र दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ट्राइसिकल, सामान्य ट्राइसिकल एवं श्रवण यंत्र (कान की मशीन) प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विधायक चंद्राकर ने लाभार्थियों को सहायक उपकरण प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों से दिव्यांगजनों को आवागमन, शिक्षा, रोजगार और दैनिक जीवन के

कार्यों में सुविधा मिलेगी तथा वे अधिक आत्मनिर्भर होकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

कार्यक्रम में ग्राम डुडेरा के गोकुल कोसरे, ग्राम जंजगिरी के राजूलाल देशमुख, ग्राम खम्हरिया के हरिश कुमार साहू, ग्राम खोपली के पंकज कुमार कोसरे, ग्राम विनायकपुर के रामस्वरूप देशमुख, ग्राम करगाडीह के लुमेश कुमार साहू, ग्राम रुआबांधा रिसली गांधी चौक के सैमुएल छुरा एवं ग्राम झोला के रोहित निषाद को बैटरी चलित ट्राइसिकल, सामान्य ट्राइसिकल एवं श्रवण यंत्र प्रदान किए गए।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी प्रतिभा, क्षमता और आत्मविश्वास को उचित अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। –उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान दें।

लाभार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी दिव्यांगजन दूसरों पर निर्भर न रहे और आत्मनिर्भर जीवन जी सके।

उन्होंने कहा कि ट्राइसिकल और श्रवण यंत्र केवल सहायक उपकरण नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और आगे बढ़ने के साधन हैं। उन्होंने लाभार्थियों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

सिंधिया नगर में 60 से 70 छायादार पौधों का रोपण महापौर अलका बाघमार ने दिया हरियाली का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 21 के सिंधिया नगर स्थित स्ट्रीट नंबर–3 में पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने सड़क किनारे करीब 60 से 70 छायादार पौधों का रोपण किया।

पौधारोपण कार्यक्रम में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर,एवं एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर ,वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता,सावित्री दमाहे, भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह,संजय सिंह,उपअभियंता पंकज साहू सहित बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और शहर में हरियाली बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से इस पुनीत अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता करते हुए वृक्ष लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाले समय में न केवल छांव देगा, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महापौर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक उसकी जिम्मेदारी से देखभल महापौर आगे कहा कि हर आंगन होगी हरियाली के उद्देश्य से पेड़ लगाए जा रहे हैं वार्ड किसके बच्चे बुजुर्ग महिलाएं हर वर्ग उपस्थित था और पेड़ लगाना ही नहीं पेड़ को बचना भी और उसे बड़ा करने का प्रण भी लिया गया।

शिवमहापुराण कथा में पंडित प्रदीप मिश्रा ने दिया 'साइबर क्राइम से आजादी' का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जयंती स्टेडियम, भिलाई नगर में आयोजित शिवमहापुराण कथा के दौरान प्रख्यात कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा, सीहोर वाले ने श्रद्धालुओं को साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'साइबर क्राइम से आज़ादी' विशेष साइबर जागृति अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने की अपील की।

बोलबम सेवा समिति खुरसीपार, भिलाई द्वारा 17 से 23 अगस्त तक आयोजित शिवमहापुराण कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। विशाल जनसमागम को देखते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा सुरक्षा, कानून–व्यवस्था, यातायात, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग तथा प्रवेश–निकास व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

कथा के दौरान पं. प्रदीप मिश्रा ने श्रद्धालुओं को साइबर ठगी से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ पासवर्ड, बैंक खाते अथवा अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा न करें। संदिग्ध फोन कॉल, मैसेज और लिंक से भी सावधान रहें तथा किसी भी डिजिटल लेन–देन से पहले संबंधित जानकारी का सत्यापन जरूर करें। उन्होंने श्रद्धालुओं से छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर क्राइम से आज़ादी' अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए अभियान के को स्कैन कर जागरूकता अभियान का हिस्सा बनने की अपील की।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

वर्षा ऋतु की मनोहारी छटा से सजेगा 'पावस प्रसंग'

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कला, संस्कृति और शास्त्रीय परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'विभागीय आयोजन 2026' की श्रृंखला के अंतर्गत विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पावस प्रसंग' का आयोजन किया जा रहा है। वर्षा ऋतु की सौंदर्यपूर्ण अनुभूतियों और भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा को केंद्र में रखकर आयोजित यह कार्यक्रम 21, 22, 24 एवं 25 अगस्त को रायपुर के मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस में आयोजित होगा। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा। 'पावस प्रसंग' में वर्षा ऋतु की प्राकृतिक सुंदरता, उमंग, उल्लास और संवेदनाओं को शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाएगा। भारतीय कला परंपरा में वर्षा ऋतु का विशेष महत्व रहा है। बादलों की गड़गड़ाहट, वर्षा की रिमझिम, प्रकृति में नवजीवन का संचार और मन में जागृत होने वाले विविध भावों को कलाकार अपनी नृत्य मुद्राओं, भावाभिव्यक्ति और सुरों के माध्यम से जीवंत करते हैं। इसी समृद्ध सांस्कृतिक भावभूमि को 'पावस प्रसंग' के माध्यम से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ, बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर रहेगा विशेष फोकस

रायपुर। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उत्तरजीविता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह एवं डॉ. गीतांजलि तिवारी ने बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। अभियान 18 अगस्त से 24 सितंबर 2026 तक संचालित होगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को वी.एच.एन.डी. सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान में 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आई.एफए. सिरप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिशु संरक्षण माह केवल विटामिन-ए अनुपूरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बच्चों की उत्तरजीविता बढ़ाने तथा उनके समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने का अभियान है। बच्चों की आयु के अनुरूप संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी जाएगी।

हुनर, तकनीक और अपनत्व से पुनर्वासित युवाओं को विकास की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। निर्वासित युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाकर विकास की नई राह प्रदान करना किसी भी प्रगतिशील समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न कारणों से समाज के हाशिए पर चले गए युवाओं को पुनः सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

सुकमा जिले में पुनर्वासित युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव राजेश सिंह राणा ने मंगलवार को जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न विकास और पुनर्वास योजनाओं का जमीनी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर भी मौजूद रहे।

प्रभारी सचिव राणा ने लाइवलीहुड कॉलेज पहुंचकर पुनर्वासित युवाओं के लिए विशेष कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दो माह के इस प्रशिक्षण में 20 युवाओं को कोसा से रेशम निकालने, उन्नत हथकरघा से साड़ी बुनने और आधुनिक सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना है, ताकि वे अपने हुनर का उपयोग कर सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर सकें और आत्मनिर्भर बनें।

प्रभारी सचिव ने पुनर्वास केंद्र पहुंचकर युवाओं से सीधे संवाद किया और उनके अनुभवों तथा जरूरतों की जानकारी ली। डिजिटल तकनीक से जोड़ने के लिए 20 पुनर्वासित युवाओं को मोबाइल फोन वितरित किए गए। मोबाइल मिलने से युवाओं को ऑनलाइन जानकारी, प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। राणा ने पुनर्वासित युवाओं के साथ आत्मीयता और सहजता से संवाद किया। इस दौरान युवाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए भोजन को उन्होंने उनके साथ जमीन पर बैठकर ग्रहण किया। उनके इस आत्मीय व्यवहार से युवाओं में उत्साह और विश्वास बढ़ा। उन्होंने युवाओं को मेहनत और कौशल के साथ आगे बढ़कर अपने परिवार और समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

प्रवास के दौरान राणा ने प्रसिद्ध तुंगल डैम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार को तुंगल डैम को सुव्यवस्थित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

तुंगल डैम में भ्रमण के लिए पहुंचे स्कूली बच्चों से प्रभारी सचिव ने आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और उन्हें मेहनत के साथ पढ़ाई कर अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। सुकमा जिले में पुनर्वास, कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और पर्यटन विकास को साथ लेकर आगे बढ़ रहा प्रशासन का यह प्रयास युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर तैयार कर रहा है।

विष्णुभोग की खुशबू और बहनों के हुनर से सजी खास राखी

बिहान समूह की महिलाओं ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को भेंट किया विष्णुभोग चावल और धान से बनी राखी

स्थानीय उत्पादों से रोजगार और आय के अवसर बढ़ाने की पहल को केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की बिहान महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें जिले की पहचान विष्णुभोग चावल तथा विष्णुभोग धान से तैयार की गई विशेष राखी भेंट की। स्थानीय संसाधनों से तैयार इन उत्पादों को देखकर साहू ने बिहान समूह की महिलाओं की रचनात्मकता, मेहनत और आत्मनिर्भरता की भावना की सराहना की। उन्होंने महिलाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों को नए रूप में प्रस्तुत कर आजीविका के अवसर तैयार करने की पहल को प्रेरणादायी बताया।

बिहान समूह की महिलाओं द्वारा विष्णुभोग धान से तैयार की गई विशेष राखी स्थानीय संस्कृति, रचनात्मकता और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम है। पारंपरिक पर्व रक्षाबंधन को जिले के स्थानीय कृषि उत्पाद से जोड़ते हुए तैयार की गई यह राखी न केवल एक हस्तनिर्मित उत्पाद है, बल्कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है। विष्णुभोग धान जिले की विशिष्ट पहचान से जुड़ा उत्पाद है। महिलाओं ने इसी स्थानीय पहचान को अपनी रचनात्मकता से जोड़कर एक ऐसा उत्पाद तैयार किया है, जो स्थानीय संस्कृति और आजीविका दोनों को एक साथ बढ़ावा देता है।

स्थानीय संसाधनों से रोजगार और अतिरिक्त आय की राह: बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर मिल रहे हैं तथा वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान दे रही हैं।

विष्णुभोग चावल और उससे जुड़े स्थानीय उत्पादों को आकर्षक स्वरूप देकर बाजार तक पहुंचाने की दिशा में महिला समूहों की पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की क्षमता रखती है। ऐसी गतिविधियां महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

विष्णुभोग धान से तैयार विशेष राखी यह संदेश देती है कि स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक पहचान को रचनात्मकता से जोड़कर आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। बिहान समूह की महिलाओं की यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने भूपेन्द्र कुमार कर्ष के पक्के घर का सपना किया साकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सुरक्षित और पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत धरदेई निवासी भूपेन्द्र कुमार कर्ष की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

भूपेन्द्र कुमार कर्ष, पिता अलग राम, उम्र 48 वर्ष, कृषि एवं मजदूरी का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे लंबे समय तक अपनी पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र के साथ मिट्टी एवं खपरैल से बने कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने और मकान की जर्जर स्थिति के कारण परिवार को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में परिवार के लिए एक पक्का और सुरक्षित घर बनाना उनके लिए वर्षों पुराना सपना था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्रता के आधार पर ग्राम पंचायत धरदेई द्वारा वर्ष 2024-25 में भूपेन्द्र कुमार कर्ष के आवास का

अनुमोदन किया गया। आवास स्वीकृत होने के बाद शासन से प्राप्त किस्तों के माध्यम से उन्होंने निर्माण कार्य शुरू किया। ग्राम पंचायत में संचालित स्व-सहायता समूहों ने सेंटरिंग सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग किया। वहीं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र तथा ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक ने भी आवास निर्माण में आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

आवास निर्माण के दौरान श्री कर्ष को 90 दिवस की मजदूरी की सहायता राशि भी प्राप्त हुई, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। शासन की सहायता, स्थानीय स्तर पर मिले सहयोग और स्वयं की मेहनत से उनका पक्का मकान तैयार हुआ। आज श्री भूपेन्द्र कुमार कर्ष अपने परिवार के साथ सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कच्चे और खपरैल मकान से पक्के आवास तक का यह सफर श्री कर्ष के परिवार के लिए केवल एक घर मिलने की उपलब्धि नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य और सम्मानपूर्ण जीवन की नई शुरुआत है।

जहां बारिश में टपकती थी छत, अब वहीं खिल रहे हैं बचपन के सपने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ बच्चों के सुरक्षित और बेहतर भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। इसी बदलाव की एक प्रेरक तस्वीर सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम पंचायत मसीरा में देखने को मिल रही है, जहां विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित नए आंगनबाड़ी भवन ने नौनिहालों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और सीखने के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है। कभी कच्चे मकान में संचालित होने वाला आंगनबाड़ी केंद्र अब पक्के भवन में बच्चों की खिलखिलाहट और सीखने की गतिविधियों से गुलजार है।

मसीरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती हीरामणी राजवाड़े बताती हैं कि पहले आंगनबाड़ी केंद्र कच्चे मकान में संचालित होता था। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को बैठाने और शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करने में परेशानी होती थी। इससे अभिभावकों को भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी। आंगनबाड़ी केंद्र की

इस समस्या को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने ग्राम पंचायत के सरपंच बुधराम सिंह के समक्ष नए आंगनबाड़ी भवन की आवश्यकता रखी। ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव तैयार कर प्रशासन को भेजा गया। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के निर्देश पर प्रशासन ने त्वरित पहल करते हुए विकसित भारत जी-राम-जी योजना के तहत नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया। नए आंगनबाड़ी भवन के निर्माण के बाद आंगनबाड़ी केंद्र की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है।

'बिहान' से महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की 'बिहान' योजना महिलाओं के जीवन में बड़ा आर्थिक बदलाव लाई है। स्व-सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आजीविका के नए साधन दिए जा रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है।

दक्षिण बस्तर के सुकमा जिले के दूरस्थ वनांचल में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं के जीवन में आर्थिक बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत कोंटा की 14 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 39.50 लाख रुपये का बैंक लिंकेज ऋण प्रदान किया गया है। यह ऋण

महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर है।

ऋण की राशि मिलने से महिला समूहों की दीदियों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है। महिलाएं इस राशि का उपयोग कृषि, पशुपालन, सिलाई और स्थानीय छोटे व्यवसायों को बढ़ाने में करेंगी। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का कहना है कि आजीविका के साधन मजबूत होने से वे अपने बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतों और परिवार के बेहतर भविष्य के लिए अधिक मजबूती से योगदान दे सकेंगी। 'बिहान' के माध्यम से महिलाएं बचत, समूह संचालन और बैंकिंग गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं।

ऋण वितरण के दौरान प्रशासन और बैंक अधिकारियों ने महिलाओं से संवाद कर ऋण राशि का उपयोग आय बढ़ाने वाली गतिविधियों में करने की समझाइश दी। उन्हें समय पर ऋण की किश्त जमा करने, नियमित बचत करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की जानकारी भी दी गई। इससे महिलाओं की बैंकिंग व्यवस्था में विश्वसनीयता और आर्थिक आत्मविश्वास दोनों मजबूत होंगे।

सुकमा जैसे वनांचल जिले में 'बिहान' ग्रामीण महिलाओं को समूह से जोड़कर उन्हें बचत, बैंक लिंकेज, स्वरोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध करा रहा है। अब महिलाएं केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपनी मेहनत और समूह की ताकत से आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

आजीविका डबरी और नवा तरिया से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रहा नया आधार

45 गांवों के 50 हितग्राहियों को लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए शासन की योजनाओं का प्रभावी अभिसरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले में वीबी-जी राम जी योजना के तहत निर्मित आजीविका डबरी एवं नवा तरिया को मत्स्य पालन से जोड़कर ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर विकसित किए जा रहे हैं। जिले के अम्बिकापुर विकासखंड में 28 ग्राम पंचायतों की 35 आजीविका डबरियों और 2 नवा तरिया में लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का संचयन किया गया है।

मत्स्य विभाग द्वारा शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, दरिमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को 50 प्रतिशत अनुदान पर फिंगरलिंग मछली बीज

उपलब्ध कराया गया। इस पहल के तहत 45 गांवों से जुड़े 50 हितग्राहियों को मछली बीज प्रदान किया गया, जिसे उनके गांवों में निर्मित आजीविका डबरी एवं नवा तरिया में संचयित किया जाएगा।

आजीविका डबरी एवं नवा तरिया का निर्माण केवल जल संरक्षण और ग्रामीण परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं रखा जा रहा है। इन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप आजीविका गतिविधियों से जोड़कर ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का माध्यम बनाया जा रहा है। मत्स्य पालन शुरू होने से उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और ग्रामीणों को अपने गांव में ही आर्थिक गतिविधि का अवसर मिलेगा।

मत्स्य बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान से हितग्राहियों पर शुरुआती लागत का भार कम हुआ है। इसके साथ ही मत्स्य विभाग द्वारा मछली बीज संचयन, मछलियों की देखभाल, पोषण, प्रबंधन एवं उत्पादन से संबंधित आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है, ताकि जल संरचनाओं से बेहतर मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं को विभिन्न विभागों की गतिविधियों से जोड़कर उनके प्रभाव को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वीबी-जी राम जी योजना के तहत निर्मित जल संरचनाओं में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने से एक ही परिसंपत्ति का उपयोग जल संरक्षण के साथ-साथ आय संवर्धन के लिए भी किया जा रहा है। इन संरचनाओं में मत्स्य पालन से उत्पादन बढ़ने पर आने वाले समय में ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज के संचयन से अम्बिकापुर विकासखंड की आजीविका डबरियों एवं नवा तरिया में मत्स्य पालन गतिविधियों को व्यापक आधार मिला है। यह पहल दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं का योजनाबद्ध उपयोग कर जल संरक्षण, रोजगार, मत्स्य उत्पादन और आय संवर्धन को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है। जिला प्रशासन के प्रयासों से आजीविका डबरी एवं नवा तरिया अब ग्रामीण विकास की ऐसी परिसंपत्तियों के रूप में विकसित हो रही हैं, जो जल संसाधन संरक्षण के साथ ग्रामीण परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी मजबूत आधार प्रदान करेंगी।

अल्लू अर्जुन की फिल्म राका में गर्भवती महिला के किरदार में होंगी दीपिका

जाह्नवी और रश्मिका के किरदारों का भी खुलासा

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म राका का उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एटली के निर्देशन में बन रही ये एक एक्शन थ्रिलर है, जिससे अभिनेता का पहला लुक आने के बाद फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह का माहौल है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं, जो पहली बार अल्लू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर भी इसका हिस्सा हैं। हालिया रिपोर्ट में इन सभी की भूमिकाओं को लेकर अपडेट आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राका में दीपिका को एक गर्भवती महिला के किरदार में देखा जाएगा, जिसका जीवन-मरण का संघर्ष फिल्म के भावनात्मक पहलुओं में से एक है।

बताया जा रहा है कि उनका किरदार फिल्म के पौराणिक वैदिक युग में फिल्माए जा रहे विशाल संसार में शामिल होगा।

दिलचस्प बात ये है कि दीपिका असल जिंदगी में भी गर्भवती हैं और गर्भावस्था के तीसरे चरण में अपने दृश्यों की शूटिंग को जारी रख रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जाह्नवी इसमें एक आदिवासी रानी, एक निडर और शक्तिशाली नेता का किरदार निभाएंगी, जो फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभाएगी।

रश्मिका को एक मार्गदर्शक और रक्षक की भूमिका में देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि उनका किरदार, दीपिका को राका की खतरनाक दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करता है और उसके अस्तित्व की लड़ाई में अहम भूमिका निभाता है। लगभग 1,000 करोड़ रुपये के बजट वाली ये फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

ईठा की नई रिलीज डेट लॉक, अक्षय कुमार की फिल्म को देगी कड़ी टक्कर

लक्ष्मण उतेकर की पीरियड डांस ड्रामा फिल्म ईठा की रिलीज की नई तारीख तय हो गई है। मशहूर लावनी और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित यह फिल्म पहले इसी महीने 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इस डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है। अब यह फिल्म एक नई तारीख पर रिलीज होगी, जिसका एलान मेकर्स ने कर दिया है।

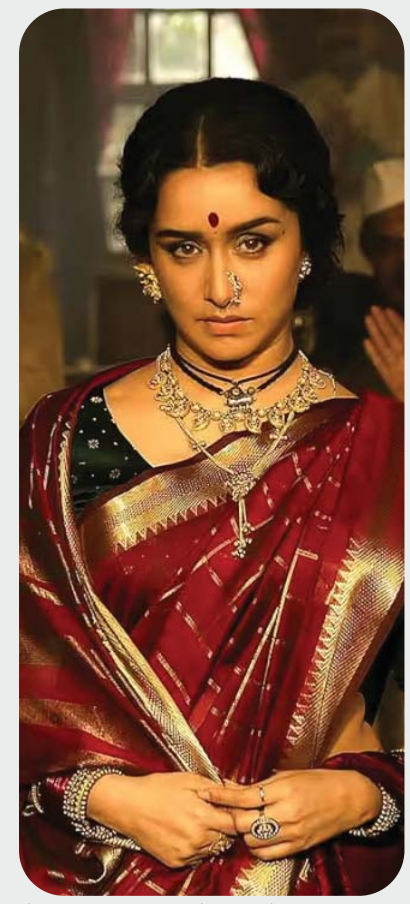

मेकर्स ने ईठा की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया. जो फिल्म 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, वह अब इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा है, तूफान के लिए तैयार रहना, क्योंकि ईठा आ रही है, 4 दिसंबर को।

ईठा को पहले 28 अगस्त को रिलीज करने का प्लान था, जिससे रक्षाबंधन वीकेंड पर यश की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म के साथ इसकी सीधी टक्कर होती। अब यह टकराव पूरी तरह टल गया है. टॉक्सिक की रिलीज 26 अगस्त को दुनिया भर में कन्फर्म हो गई है, जबकि ईठा को लगभग साढ़े तीन महीने आगे खिसका दिया गया है।

मेकर्स ने जून में ईठा का टीजर जारी किया था, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट 28 अगस्त बताई गई थी। हालांकि, उसके ठीक बाद एक बड़ी घटना हुई जिसने फिल्म की दिशा ही बदल दी. 20 जून को, के. वेंकट नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने गीतू मोहनदास की पैन-इंडिया एक्शन थ्रिलर टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोनअप्स की नई रिलीज डेट 26 अगस्त घोषित की।

नई तारीख के साथ, ईठा अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर उस कॉमेडी फिल्म के साथ क्लैश होगी, जिसे अनीस बज्मी डायरेक्ट कर रहे हैं और जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं, दिसंबर के आखिरी हफ्ते में शाहरुख खान की किंग भी रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी। ऐसे में ईठा के पास बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने के लिए 3 हफ्ते होंगे।

इस साल अगस्त स्लॉट में तारीख में बदलाव का यह पहला बड़ा मामला नहीं है। राजकुमार राव की फिल्म प्रहार पहले अपनी तय रिलीज तारीख 7 अगस्त से हट गई थी, और उस फिल्म की नई रिलीज तारीख का अभी भी इंतजार है।

ईठा महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है। अपने पिता के करियर के मुश्किल दौर में परिवार की मंडली की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्हें तमाशा सम्राज्ञी का खिताब मिला। कई दशकों के दौरान उन्हें कई बड़े सम्मान मिले, जिनमें 1957 और 1990 में मिला राष्ट्रपति पुरस्कार भी शामिल है।

इतनी लोकप्रियता और तारीफ मिलने के बावजूद, विठाबाई को जिंदगी के बाद के दौर में काफी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा. 4 दिसंबर की नई तारीख़ तय होने के साथ ही, ईठा को लेकर दर्शकों में काफ़ी उत्सुकता बढ़ गई है।

'पुराने अच्छे दिन', आलिया भट्ट ने साझा की रणबीर-राहा के साथ वेकेशन फोटोज

आलिया भट्ट जब फिल्मों में व्यस्त नहीं रहती हैं तो पति और अभिनेता रणबीर कपूर के साथ वेकेशन पर निकल जाती हैं। ऐसी ही एक पुरानी वेकेशन की तस्वीरें आलिया ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा की हैं।

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं, इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, 'पुराने अच्छे दिन। गले लगना और भी बहुत कुछ।' इन तस्वीरों में वह अपनी बेटी राहा के गले लगी हुई नजर आ रही हैं। रणबीर कपूर और राहा के साथ वेकेशन का खूब आनंद ले रही हैं।

बोट पर की समंदर की सैर

आलिया भट्ट ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वह पति रणबीर और बेटी राहा के साथ एक बोट पर बैठी हैं। समंदर की सैर पर यह परिवार निकला है। आगे कुछ तस्वीरों में आलिया अपनी बेटी राहा के साथ वक्त गुजार रही हैं। बेटी राहा ने भी आलिया को गले लगाया हुआ है। यह पल आलिया के लिए कभी न भूलने वाले हैं।

वेकेशन पर डाइटिंग भूल गईं आलिया

अभिनेत्री होने के नाते आलिया अपनी फिटनेस, फिगर पर ध्यान देती हैं लेकिन वेकेशन पर वह डाइटिंग को भूल गई हैं। मनपसंद खाना खा रही हैं। अपनी सेल्फी भी वह क्लिक कर रही हैं।

आलिया भट्ट करियर फ्रंट पर क्या रही हैं?

हाल ही में आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' रिलीज हुई। इसके अलावा वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी हैं।

'मिर्जापुरः द मूवी' का पहला गाना 'वारूं फॉरएवर' रिलीज, गुड्डू और बबलू की लव लाइफ की मिली झलक

फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' का गाना 'वारूं फॉरएवर' रिलीज हो चुका है। गाने में अली फजल और श्रेया पिलगांवकर काफी करीब नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' का गाना 'वारूं फॉरएवर' मेकर्स ने मंगलवार को रिलीज कर दिया है। फिल्म के इस गाने को फ्रैंचाइजी की पहली किश्त से ही काफी पसंद किया जा रहा था। मगर अब इस पुरानी धुन को ही नए तरीके से पेश किया गया है।

गानें में क्या खास?

'मिर्जापुरः द मूवी' के मेकर्स ने पहले गाना 'वारुं फॉरएवर' रिलीज कर दिया है। यह गाना 2020 में रिलीज हुई 'मिर्जापुर' सीरीज में भी इश्क का एहसास दिया है। यह गाना काफी पॉपुलर हुआ था।

क्या नया है 'वारुं फॉरएवर' में?

'मिर्जापुरः द मूवी' के गाने 'वारुं फॉरएवर' को सिंगर रोमी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है। म्यूजिक आनंद भास्कर ने कंपोज किया है और लिरिक्स गिन्नी दीवान ने लिखे हैं। गानें मे अली फजल और श्रेया पिलगांवकर काफी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह गलियों में घूम रहे हैं।

फिल्म मिर्जापुर के बारे में

फिल्म मिर्जापुर 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कास्ट में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सुशांत सिंह और कुलभूषण खरबंदा समेत कई दिग्गज कलाकार शामिल है।

मलयालम फिल्म हाफ से जुड़े फरहान अख्तर, टोरंटो महोत्सव में धमाका करने की तैयारी

अभिनेता-निर्माता फरहान अख्तर ने अपने फैंस को नया तोहफा देने की तैयारी कर ली है। इस बार वो मलयालम वैम्पायर थ्रिलर फिल्म हाफ से जुड़े हैं, जिसका ऐलान उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर किया। उन्होंने बताया कि वह और रितेश सिधवानी, अपनी प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट और एए फिल्म्स के सहयोग से फिल्म हाफ को पूरे उत्तर भारत में हिंदी भाषा में प्रस्तुत और रिलीज करेंगे। सितंबर, 2026 में इसका प्रीमियर टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के मिडनाइट मैडनेस में होगा।

हाफ एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रिलीज होने वाली पहली मलयालम फिल्म होगी। इसका निर्देशन समजद ने किया है, जिन्हें मलायलम फिल्म गोलम (2024) के लिए जाना जाता है।

कहानी वैम्पायर (पिशाच) लोककथाओं पर आधारित हिंसक शिकार, बदले और खून-खराबा के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म में रंजीत सजीव, ऐश्वर्या राज, अब्बास और अमला पॉल को मुख्य किरदार निभाते देखा जाएगा।

टोरंटो महोत्सव में प्रदर्शित होने के बाद ये फिल्म भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।

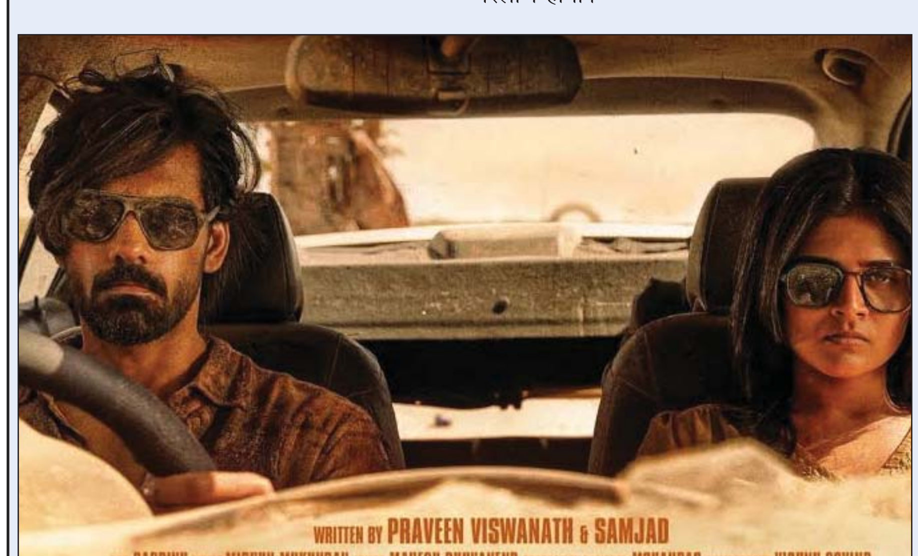

रसोई में खुली शेल्फ बनवाना इन दिनों कर रहा है ट्रेंड, जानिए इसके कुछ फायदे

आजकल रसोई में खुली शेफ बनवाने का चलन काफी बढ़ गया है। इस ट्रेंड में रसोई की अलमारियों को बंद रखने के बजाय खुला रखा जाता है, जिससे सामान आसानी से दिखता है और उन्हें ढूंढने में समय नहीं लगता। खुली शेल्फ न केवल देखने में आकर्षक लगती है, बल्कि यह काम करने में भी सहूलियत प्रदान करती है। आइए जानते हैं कि ये इतनी लोकप्रिय क्यों हो रही है।

सामान की उपलब्धता में आसानी

खुली शेल्फ बनाने से आपको सभी सामान आसानी से दिख जाता है। इससे आपको बार-बार अलमारी खोलकर देखने की जरूरत नहीं पड़ती और समय बचता है।

खासकर जब आप जल्दी में होते हैं या किसी चीज की जरूरत होती है तो खुली शेफ बहुत काम आती हैं।

इसके अलावा बच्चों को भी अपनी चीजें ढूंढने में आसानी होती है, जिससे उनका समय भी बर्बाद नहीं होता और वो सामान फैलते भी नहीं हैं।

सजावट का बेहतरीन तरीका

खुली शेल्फ वाला लुक आपकी रसोई को सजाने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। इसमें आप अपने पसंदीदा बर्तनों, किताबों या पौधों को दिखा सकते हैं, जिससे रसोई का माहौल और भी खुशनुमा हो जाता है।

आप अलग-अलग आकार और डिजाइन के शेल्फ का उपयोग करके अपनी रसोई को एक अनोखा रूप दे सकते हैं।

इसके अलावा आप विभिन्न रंगों का भी चयन कर सकते हैं, जो आपकी रसोई के बाकी हिस्सों के साथ मेल खाता हो।

साफ-सफाई करना हो जाता है आसान

खुली शेल्फ वाली रसोई की सफाई करना बहुत आसान होता है। बंद अलमारियों की तरह इसमें धूल-मिट्टी जमा नहीं होती, जिससे आपको बार-बार सफाई करने की जरूरत नहीं पड़ती।

बस हफ्ते में एक बार हल्का-सा झाड़ू लगाकर या कपड़े से पोछकर ही काम पूरा हो जाता है। इससे आपकी रसोई हमेशा साफ-सुथरी बनी रहती है और इसमें काम करना भी सहज होता है।

खुली शेल्फ रसोई को एक नया और आकर्षक रूप देता है।

व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ें

खुली शेल्फ आपको अपनी रसोई में व्यक्तिगत स्पर्श जोड़ने का मौका देती हैं। आप अपनी पसंदीदा किताबें, तस्वीरें या कोई अन्य सामान यहां रख सकते हैं, जिससे आपकी रसोई आपकी पहचान दर्शाएगी। इससे आपकी रसोई और भी खास बन जाती है और उसमें काम करना एक सुखद अनुभव होता है।

इसके अलावा आप अपने बर्तनों और अन्य सामान को इस तरह से व्यवस्थित कर सकते हैं, जिससे वे आसानी से मिल सकें और देखने में भी अच्छे लगें।

खास-खबर

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से युवाओं को मिल रहा रोजगार

रायपुर। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कौशल विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से बलरामपुर जिले के लाइवलीहुड कॉलेज में युवाओं को विभिन्न रोजगारपरक ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के जरिए युवाओं को बाजार की मांग के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे रोजगार प्राप्त करने के साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में युवाओं को उनकी रुचि और स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लाइवलीहुड कॉलेज युवाओं को कौशल, अवसर और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के प्रभावी केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। वर्तमान में लाइवलीहुड कॉलेज में वेल्डिंग एवं जल संचालक-वितरण ट्रेड में प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। 30 प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी जानकारी के साथ उपकरणों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग तथा कार्य की व्यावहारिक बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने बैठक आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने तथा विभिन्न विभागों और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की गई। एक्सरसाइज के दौरान बाढ़ प्रबंधन नीतियों, एवं बाढ़ के दौरान प्रभावितों को त्वरित सहायता पहुंचाना, मौसम विज्ञान और जल संसाधन विभाग का आवश्यक समन्वय, बाढ़ की स्थिति में निगरानी, चेतावनी एवं सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से डाऊन स्ट्रीन के गांवों को पहले से सचेत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी तरह से बाढ़ आपदा के समय एनडीआरएफ एसडीआरएफ नगर सेना एवं अन्य बचाव दलों में आपसी समन्वय पर चर्चा हुई। बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत कैंप की व्यवस्था एवं प्रभावितों के लिए जरूरी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के लिए मेडिकल टीम की तैयारियों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शम्मी आबिदी ने कहा कि आपदा की स्थिति में फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले सभी कर्मियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों की स्पष्ट जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच समन्वय में किसी भी प्रकार की कमी या गैप को समय रहते दूर किया जाए।

धान के साथ दलहन-तिलहन की खेती बढ़ाएं, मत्स्य पालन व डेयरी को दें नई उड़ान

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने विभागवार समीक्षा में दिए निर्देश, खाद-बीज की समय पर उपलब्धता और विकास कार्यों में गुणवत्ता पर कोताही न हो

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य पालन, पशुधन विकास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागवार समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, शिक्षा, वन, पंचायत, पशुपालन, आदिम जाति विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री नेताम ने जिले में दलहन-तिलहन के रकबे को और बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को धान के साथ दलहन एवं तिलहन की खेती के लिए प्रेरित किया जाए। किसानों को फसल परिवर्तन से होने वाले आर्थिक लाभ और शासन की प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान फसल विविधीकरण को अपनाएं। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि मत्स्य पालन लाभदायक व्यवसाय है। जिले में अधिक से अधिक ग्रामीणों और हितग्राहियों को इससे जोड़ा जाए तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों को बकरी पालन, कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन, सब्जी एवं फूलों की खेती जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाए।

मंत्री नेताम ने कहा कि कोरिया जिले में डेयरी उद्योग की अपार संभावनाएं हैं। यहां के पशुपालकों तथा डेयरी से जुड़े ग्रामीणों और किसानों को इससे जोड़ने के लिए कार्य किया जाए, ताकि दूध उत्पादन के साथ गौपालन को भी बढ़ावा मिल सके।

मंत्री नेताम ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होने देने और योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सोनहत जनपद में निर्माणाधीन एकलव्य छात्रावास की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने नवनिर्मित जिला अस्पताल के शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आम लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने विद्यार्थियों को दिए जाने वाले गणवेश एवं साइकिल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार बच्चों को शिक्षा के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनमें शिक्षा के प्रति रुचि बढ़े।

खाद-बीज वितरण में पारदर्शिता और समयबद्धता जरूरी

मंत्री नेताम ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को खाद और बीज समय पर तथा पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मिलेट्स को बढ़ावा देने के साथ किसानों और ग्रामीणों को मुनगा (मोरिंगा) की खेती के लिए प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने कहा कि मुनगा की खेती पोषण के साथ-साथ व्यवसाय की दृष्टि से भी लाभप्रद है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

बैठक में मंत्री ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बताया कि जिले में अब तक 2015 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 1440 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। राजस्व से संबंधित शिकायतें अधिक प्राप्त हुई हैं और उनका त्वरित गति से निराकरण किया जा रहा है। मंत्री ने लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने दिए सड़क सुरक्षा उपायों के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को आपस में बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत प्रदेश में किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

दुर्घटना में घायलों का इलाज प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 108 एम्बुलेंस की समय पर उपलब्धता की सख्त मॉनिटरिंग और ट्रामा सेंटरों को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। सड़क दुर्घटना के घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले नेक नागरिकों (गुड सेमेरिटन) को यथाशीघ्र प्रोत्साहन एवं सम्मान राशि प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

अधिक दुर्घटना वाले 8 जिलों पर विशेष फोकस किया गया, जिनमें रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, बलौदाबाजार, सरगुजा और जगदलपुर (बस्तर) जिलों में दुर्घटनाओं के कारणों का गहन विश्लेषण कर विशेष कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। ब्लैक स्पॉट्स का सुधार एवं विश्लेषण के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग और एनएचएआई को ब्लैक स्पॉट्स में समय-सीमा के भीतर सुधार करने और सुधार के बाद दुर्घटनाओं में आई कमी का विश्लेषण करने का निर्देश दिया गया। मुख्य सचिव ने जोर दिया कि बाद में सुधार करने से बेहतर है कि सड़कों की शुरुआती डिजाइन ही सही हो। सड़कों पर आवारा पशुओं के विचरण को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थानों में रोड क्लब गठित करने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सुगम यातायात प्रबंधन से जोड़ने पर जोर दिया गया, ताकि युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी बनी रहे। सभी जिलों के कलेक्टरों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने और मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक की शुरुआत में परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात) प्रदीप गुप्ता सहित लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, जनसंपर्क और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एमबीए कर मोहन चंद्राकर ने खेती को बनाया मॉडल प्राकृतिक एवं जैविक खेती को दे रहें हैं बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एमबीए कर मोहन चंद्राकर ने खेती को बनाया मॉडल प्राकृतिक एवं जैविक खेती को दे रहें हैं बढ़ावामहासमुंद जिले के ग्राम केशवा निवासी मोहन चंद्राकर आज प्रगतिशील एवं नवाचारी किसान के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। एमबीए की शिक्षा के बाद वर्ष 1997 से 2013 तक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करने वाले चंद्राकर ने वर्ष 2013 में खेती की ओर लौटकर कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया।

श्री चंद्राकर जैविक एवं प्राकृतिक पद्धति से खेती करते हुए पारंपरिक, सुगंधित और औषधीय गुणों वाली फसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। उनके प्रक्षेत्र में जावफूल, विष्णुभोग, जोहा, चखव, संजवनी, पीहू पर्पल राइस तथा काला गेहूं जैसी फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। अपनी उपज का प्रसंस्करण वे स्वयं की राइस मिल में कर तथास्तु - अच्छे लोग, अच्छा भोजन'' ब्रांड के माध्यम से बाजार तक पहुंचाते हैं।

वर्ष 2017 में उन्होंने तथास्तु फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (ऊर्जा कृषि एफपीओ) का गठन कर करीब 300 किसानों को जोड़ा। वे किसानों को आधुनिक तकनीक, फसल विविधीकरण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और बाजार से जुड़ाव के लिए मार्गदर्शन दे रहे हैं, जिससे अनेक किसानों की आय में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के लिए 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत प्रदेश के लोक कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। योजना का उद्देश्य पारंपरिक लोक कलाओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना, कलाकारों का सम्मान बढ़ाना तथा कला दलों के सतत विकास को नई गति प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत नृत्य-संगीत, लोक नाट्य, लोकगाथा, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र वादक, शिल्प कलाकार, छत्तीसगढ़ी पाक कला (पारंपरिक व्यंजन) तथा छत्तीसगढ़ी सौंदर्यकला (श्रृंगार) से जुड़े कलाकार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, नया रायपुर स्थित कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

योजना के तहत पात्र कलाकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा। चयनित कलाकारों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार रुपये से अधिकतम 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि ई-पेमेंट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। यह राशि एक वित्तीय वर्ष में एक बार प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ केवल ऐसे कलाकारों को मिलेगा जिनकी सभी स्रोतों से वार्षिक आय 96 हजार रुपये से अधिक नहीं है।

सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत मोहलई में 42 छात्राओं को मिली साइकिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने कोण्डागांव जिले में विभिन्न शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया। इस दौरान शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहलई में 42 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम के दौरान विधायक लता उसेंडी ने ग्राम मोहलई में कुम्हार समाज भवन के पास 2.50 लाख रुपये की लागत से रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही डीएमएफ मद से हाईस्कूल मोहलई में 5 लाख रुपये की लागत से प्रयोगशाला के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से छात्राओं को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध करा रही है। साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी और वे नियमित रूप से स्कूल पहुंच सकेंगी। उन्होंने पालकों से बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही विद्यार्थियों से अपने निर्धारित लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया।

हुनर से आत्मनिर्भरता की नई पहचान, धान-चावल से बनी राखियों ने बटोरी खूब सराहना

स्थानीय संसाधनों से सजी राखियां, महतारी वंदन योजना से दीदियों के हुनर को मिल रहा नया विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर और स्थानीय संसाधनों को नई पहचान देने का अवसर भी है। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की दीदियां अपने परिश्रम, रचनात्मकता और नवाचार से इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत का प्रसन्न स्व सहायता समूह भी ऐसी ही प्रेरक पहल का उदाहरण है, जहां महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की हैं।

प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। समूह में कुल 22 सदस्य हैं। समूह की दीदियां मौसम और मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। इनमें बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। समय के साथ समूह की महिलाओं ने अपने कार्यक्षेत्र में नए उत्पाद जोड़ते हुए अपनी आय के अवसरों को भी विस्तार दिया है। रक्षाबंधन के अवसर पर समूह की दीदियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ा है। धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से तैयार की गई राखियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन राखियों की खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इनके पीछे छिपा महिलाओं का हुनर और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का विचार भी है। समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं।

समूह की दीदियों श्रीमती नीतू कर्ष एवं मीरा देवांगन ने कलेक्टोरेट परिसर में राखियों का स्टॉल लगाया। यहां उन्होंने अपने हाथों से तैयार विभिन्न प्रकार की राखियां प्रदर्शित कीं। स्टॉल पर पहुंचकर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी राखियां खरीदीं और समूह की दीदियों के प्रयासों एवं हुनर की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर दुदावत के प्रोत्साहन से दीदियों में अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने तथा भविष्य में नई गतिविधियों को अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्रसन्न स्व सहायता समूह की दीदियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना से भी उन्हें आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपने कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में कर रही हैं। दीदियों ने बताया कि उन्हें अब तक योजना की 30 किश्तें प्राप्त हो चुकी हैं। नियमित रूप से मिलने वाली आर्थिक सहायता से उन्हें काफी राहत मिली है और अपने छोटे-बड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिल रहा है। योजना से प्राप्त राशि उनके लिए आर्थिक सहारे के साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम भी बनी है। प्रसन्न स्व सहायता समूह की कहानी यह दर्शाती है कि जब महिलाओं को संगठित होकर काम करने का अवसर, प्रशिक्षण एवं योजनाओं का सहयोग मिलता है।

मुख्यमंत्री साय के लिए बनाई विशेष राखी

रक्षाबंधन के इस अवसर पर समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के लिए विशेष राखी भी तैयार की है। दीदियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना से उन्हें लगातार आर्थिक सहयोग मिल रहा है, जिसके लिए वे भैया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

जल जीवन मिशन के कार्यों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ करें पूर्णः कलेक्टर

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने तथा मैदानी स्तर पर प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पानी की समस्या वाले गांवों का चिन्हांकन कर बोर रिचार्ज का कार्य कराने निर्देशित किया। उन्होंने पंप चोरी की घटनाओं के संबंध में एफआईआर दर्ज कराने तथा सोलर पंपों को चालू कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

कटघोरा। कोरबा जिले के बांकीमोंगरा क्षेत्र में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। बांकीमोंगरा के चांदनी चौक के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक ट्रेलर के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग और परिजन जुट गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने चांदनी चौक पर लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए स्पीड ब्रेकर लगाने, तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण करने और यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही अधिक है और तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों और ट्रेलर चालक की भूमिका की जांच की जा रही है।

249.60 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और कार समेत 9.57 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

महासमुंद। जिले में अवैध गतिविधियों एवं नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सरायपाली पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपी को आबकारी एक्ट के तहत न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। 11 अगस्त 2026 को सरायपाली पुलिस ने बैतारी चौक के पास कार्रवाई करते हुए डस्टर कार से विभिन्न ब्रांड की कुल 249.60 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, जिसकी कीमत करीब 6 लाख 42 हजार 920 रुपये है, बरामद की थी। मामले में राजेश पटेल, अजित पटेल और अमित पटेल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। इस कार्रवाई के आधार पर थाना सरायपाली में अपराध क्रमांक 264/2026, धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट एवं 111(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

चाकू लहराकर राहगीरों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। महादेवघाट के पास धारदार चाकू लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले युवक को डीडी नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महादेवघाट के पास एक युवक हाथ में धारदार हथियार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही डीडी नगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मानसिंह ठाकुर उर्फकुलदीप (21) बताया। वह रायपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से काले रंग का लोहे का धारदार बटनदार चाकू मिला। पुलिस ने चाकू जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अपराध क्रमांक 513/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में मामला दर्ज किया गया है।

कुम्हारी में सरकारी दर से ज्यादा पर बेच रहा था यूरिया, दुकान संचालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कुम्हारी पुलिस ने सरकारी दर से ज्यादा दाम पर यूरिया व अन्य उर्वरक पदार्थ बेचने वाले दुकान संचालक को गिरफ्तार किया है। ऋषभ राज फर्टिलाइजर कुम्हारी में फर्टिलाइजर निरीक्षक द्वारा जांच दल के साथ दुकान का निरीक्षण कर निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री के साक्ष्य प्राप्त किए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर थाना कुम्हारी में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

मिली जानकारीर के अनुसार ऋषभ राज फर्टिलाइजर, कुम्हारी के संचालक मनीष गुप्ता द्वारा किसानों को यूरिया एवं अन्य उर्वरक शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर 13 जून 2026 को फर्टिलाइजर निरीक्षक सरिता साहू द्वारा जांच दल के साथ संबंधित प्रतिष्ठान का

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया एवं अन्य उर्वरक विक्रय किए जाने के संबंध में साक्ष्य प्राप्त हुए।

उक्त जांच के आधार पर फर्टिलाइजर निरीक्षक द्वारा थाना कुम्हारी में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन के आधार पर आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर दिनांक 18 अगस्त 2026 को आरोपी मनीष गुप्ता को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में थाना कुम्हारी पुलिस टीम द्वारा प्रकरण की विवेचना एवं आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। प्रकरण से संबंधित जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

कांवड यात्रा पर जा रही महिला पर एसिड से हमला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नंदिनी नगर थाना क्षेत्र के ग्राम अरसनारा के पास सनकी युवक ने महिला पर एसिड से हमला कर दिया। एसिड की चपेट में आने से महिला झुलस गई। गंभीर रूप से घायल महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की जानकारी के मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला व युवक एक दूसरे से परिचित हैं और महिला के बात नहीं करने से वह नाराज था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को कारंजा भिलाई निवासी महिला अपने परिचित के साथ कांवड़ यात्रा के लिए ग्राम कोडिया आई हुई थी। इसी दौरान ग्राम कारंजा भिलाई निवासी आरोपी महेश दास द्वारा पीड़िता से बातचीत बंद किए जाने की बात को लेकर नाराज होकर ग्राम अरसनारा के पास पहुंचा और टिन के डिब्बे में रखा बैटरी में इस्तेमाल होने वाला एसिड महिला के ऊपर छिड़क दिया, जिससे पीड़िता को गंभीर चोटें आईं।

घटना की सूचना पर थाना नंदिनी नगर में धारा 124(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी ग्राम कारंजा भिलाई में छिपा हुआ है। सूचना पर थाना नंदिनी नगर पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर आरोपी महेश दास को पकड़ा गया। पूछताछ एवं विवेचना के दौरान आरोपी से घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके द्वारा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल पुलिस को उपलब्ध कराई गई, जिसे विधिवत जप्त किया गया। आरोपी को दिनांक 18.08.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

उक्त कार्यवाही में थाना नंदिनी नगर के अधिकारी एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा घटना की सूचना प्राप्त होते ही अपराध पंजीबद्ध कर त्वरित विवेचना, मुखबिर सूचना का संकलन एवं आरोपी की घेराबंदी कर गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि व्यक्तिगत विवाद अथवा आपसी मतभेद की स्थिति में कानून हाथ में न लें तथा किसी भी प्रकार की हिंसक कार्रवाई से बचें। किसी विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिग छात्रा से दुर्व्यवहार, शिक्षक गिरफ्तार, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। जगदलपुर शहर के एक सरकारी स्कूल में नाबालिग छात्रा के साथ शिक्षक ने दुर्व्यवहार किया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। शिकायत की पुष्टि होने पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विशेष पॉक्सो कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शिक्षक ने नाबालिग छात्रा को अपने केबिन में बुलाया था। आरोप है कि इसी दौरान उसके साथ अश्लील हरकत और दुर्व्यवहार किया गया। मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंचने के बाद टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। पुलिस ने शिकायत की जांच की और संबंधित तथ्यों की पुष्टि के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की।

सीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि नाबालिग छात्रा से जुड़ी शिकायत को पुलिस ने गंभीरता से लिया। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद आरोपी शिक्षक के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पॉक्सो एक्ट, 2012 बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने वाला विशेष कानून है। इसमें 18 साल से कम उम्र के बच्चे को संरक्षण दिया जाता है। पॉक्सो की धारा 8 में बच्चे के साथ यौन हमला करने के लिए सजा का प्रावधान है।

इसमें सामान्य तौर पर कम से कम 3 साल और अधिकतम 5 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। हालांकि मामले के वास्तविक तथ्यों और लागू प्रावधानों के आधार पर न्यायालय सजा तय करता है।

चेक पर दस्तखत कराकर 49.50 लाख की धोखाधड़ी, 2 आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कोल माइंस के लिए अधिग्रहित जमीन और मकान का मुआवजा दिलाने के नाम पर दो लोगों ने ग्रामीण से 49.50 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। ग्राम तिलाईपाली बिच्छीनारा निवासी अमीर कुमार राठिया (35) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि उसकी जमीन और मकान एनटीपीसी तलाईपाली कोयला खनन परियोजना में अधिग्रहित हुआ है। इसके बदले उसे मुआवजा राशि मिलनी थी। करीब 2-3 महीने पहले गांव का खगेश्वर गुप्ता उसके पास पहुंचा और मुआवजे का काम कराने की बात कही। उसकी बात पर भरोसा करते हुए अमीर ने अपना पंजाब नेशनल बैंक, रायकेरा शाखा का पासबुक उसे दे दिया। अमीर ने काम के बदले कुछ खर्च देने की बात भी कही थी।

8 जून की सुबह खगेश्वर गुप्ता कार से अमीर के घर पहुंचा और बताया कि उसके खाते में मुआवजे की राशि जमा हो गई है। उसने यह राशि अमीर के बेटा-बेटी के खातों में जमा कराने की बात कही। इसके बाद अमीर अपने बेटे विनोद राठिया (17), बेटी अनिता राठिया (16), भतीजे के दामाद शिवप्रसाद राठिया और खगेश्वर गुप्ता के साथ पीएनबी रायकेरा शाखा पहुंचा। खगेश्वर के साथ गांव का प्रदीप गुप्ता भी था। अमीर के मुताबिक, खगेश्वर और प्रदीप ने बैंक अधिकारियों से बातचीत कर उसके नाम की चेकबुक जारी कराई। दोनों ने बताया कि उसके बेटे और बेटी के खातों में 5-5 लाख रुपए जमा किए जाएंगे। बाकी राशि उसके और बेटे विनोद के नाम से ज्वाइंट खाते में रखी जाएगी। इसके बाद आरोपियों के कहने पर अमीर ने चेक पर हस्ताक्षर कर दिए। इसी दौरान गांव का परिचित गोपीराम गुप्ता भी बैंक पहुंचा। अमीर को उसे उधारी के एक लाख रुपए देने थे, इसलिए खगेश्वर के माध्यम से एक लाख रुपए का चेक भरवाकर उसे दे दिया गया। इसके अलावा 2 लाख रुपए की नकद निकासी भी हुई।

इसके बाद उसे शक हुआ कि खगेश्वर गुप्ता और प्रदीप गुप्ता ने साजिश के तहत उसके चेक पर हस्ताक्षर कराकर 49 लाख 50 हजार रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर करा लिए। अमीर और उसके परिजनों ने दोनों आरोपियों से रकम वापस करने की मांग की, लेकिन वे लगातार टालमटोल करते रहे और रुपए वापस नहीं किए।

इसके बाद अमीर ने घरघोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने खगेश्वर गुप्ता और प्रदीप गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बैंक खातों में ट्रांसफर हुई रकम समेत अन्य दस्तावेजों की जानकारी जुटाई जा रही है।

चोरी के मामले में चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सरिया पुलिस ने चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। रिसोरा निवासी जीतांबर पटेल ने 17 अगस्त 2026 को थाना सरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे 4 अगस्त को अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर पशुपतिनाथ मंदिर एवं बैजनाथ धाम दर्शन के लिए गए थे। वापस लौटने पर घर के अंदर के दरवाजे का ताला टूटा मिला और कमरे में सामान बिखरा हुआ था। सामान की जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर से एक कट्टा चावल, एक कट्टा धान, 21 नग सोने की कंठी जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये तथा लगभग 4 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए थे। गिरफ्तार आरोपियों में विश्वजीत विशाल, केशव उर्फ राजा कोडाकू तथा स्वाधीन यादव सभी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पति ने की पत्नी की हत्याः सब्जी नहीं बनाने की बात पर डंडे से पीटा, आजीवन कारावास की सजा सुनाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सब्जी नहीं बनाने की बात पर पति ने पत्नी की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 1 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

घटना रैरूमाखुर्द चौकी क्षेत्र की है। दरअसल, 27 मई 2021 को पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बोंकीटोला पतरापारा में अभिलाल एक्का ने अपनी पत्नी क्षमा एक्का की डंडे से पीटकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही तत्कालीन चौकी प्रभारी जेम्स कुजूर ने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी और मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

जांच के दौरान महेश एक्का ने पुलिस को बताया कि वह सुबह अपनी मां के साथ घर के आंगन में बातचीत कर रहा था। इसी दौरान

उसका चचेरा भाई अभिलाल एक्का (35) वहां पहुंचा और कहा कि उससे गलती हो गई है। महेश ने जब गलती के बारे में पूछा, तो अभिलाल ने बताया कि क्षमा एक्का की मौत हो गई है।

डंडे से सिर और माथे पर किया वार

महेश, अभिलाल के साथ उसके घर पहुंचा। वहां क्षमा एक्का जमीन पर मृत पड़ी थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे। पूछताछ में अभिलाल ने बताया कि रात में उसने पत्नी से सब्जी बनाने के लिए कहा था, लेकिन उसने सब्जी नहीं बनाई। इस बात से गुस्से में आकर उसने बांस के डंडे से पत्नी के सिर और माथे पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल बांस का डंडा जब्त किया गया। पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों के बयान दर्ज किए और अन्य साक्ष्य भी जुटाए। विवेचना पूरी होने के बाद आरोपी के खिलाफ धारा 302 भारतीय दंड संहिता के तहत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा की अदालत में हुई। न्यायालय ने अभिलाल एक्का को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 1 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा न्यायालय ने मृतका के विधिक वारिसों और आश्रितों को विधिक सेवा प्राधिकरण रायगढ़ के माध्यम से 1 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने की अनुशंसा की है। मामले में राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

सागौन से लदा पिकअप वाहन जब्त, 85 हजार के 26 सागौन लट्ठे बरामद

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार अवैध कटाई और परिवहन के खिलाफ कोरबा वन मंडल की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में लगातार रात्रि गश्ती, निगरानी और जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके तथा प्रदेश के वन एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रदेश में वनों की अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोरबा वन मंडल की टीम ने रात्रि गश्ती के दौरान अवैध सागौन लकड़ी से लदा बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन जब्त किया है।

वन परिक्षेत्र कोरबा के भूलसीडीह क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना के आधार पर झगराहा से

भूलसीडीह वन नाके के बीच वन मार्ग पर निगरानी बढ़ाई गई। रात्रि गश्ती के दौरान जंगल की ओर से आ रहे बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 13 वाय 1202 को रोककर जांच की गई। वाहन में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे सागौन के 26 लट्ठे मिले।

बरामद सागौन की मात्रा लगभग 2 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 85 हजार रुपए बताई गई है। वन विभाग की टीम ने वाहन और लकड़ी को जब्त कर भारतीय वन अधिनियम, 1927 की संबंधित धाराओं के तहत पी.ओ.आर. दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई वन मंडलाधिकारी कोरबा जितेंद्र कुमार उपाध्याय के आदेशानुसार तथा उप वन मंडलाधिकारी उत्तर कोरबा राम सिंह राठिया और उप वन मंडलाधिकारी दक्षिण कोरबा सूर्यकांत सोनी के निर्देशन में की गई।

वन परिक्षेत्र अधिकारी मृत्युंजय शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक अश्मन आडिल, परिसर रक्षक गुरुवेंद्र कुर्रे, अर्जुन सिंह कंवर, बलराम राठिया, कर्मचारी चंद्रशेखर राठिया सहित अन्य वनकर्मी शामिल रहे। अवैध काष्ठ परिवहन की सूचना देने में स्थानीय मुखबिरों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति डुमरडीह-भूलसीडीह के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने उनके सहयोग की सराहना की है। ग्रामीणों ने भी वन संरक्षण के लिए विभाग द्वारा की जा रही त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **SUDHAKAR UPADHYAY** S/o **VINOD KUMAR UPADHYAY**. Resident of : house no. 14/f, street no. 54, zone 2, sector 11, khursipar, bhilai,, Distt. – Durg (C.G.) 490011, my father's name is **VINOD KUMAR UPADHYAY**, whereas the name recorded in the marksheet is **VINOD UPADHYAY**, both these names refer to the same person—my father. Therefore, henceforth, my father should be known, recognized, and addressed solely by the name **VINOD KUMAR UPADHYAY** in all government, semi-government, and other documents.

SUDHAKAR UPADHYAY
house no. 14/f, street no. 54, zone 2, sector 11, khursipar, bhilai,, Distt. -Durg (C.G.) 490011

नाम परिवर्तन

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मैं शायदा बेगम पति मुमताज अहमद निवासी - वार्ड नं. 09 प्लाट नं.-07 सड़क नं. 07, शिवाजी नगर, हन्फी मस्जिद के पीछे कोहका भिलाई तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन नं. 490023 यह शपथ करती हूं कि मैने अपना ये पुराना नाम को त्याग कर नया नाम शायदा बेगम पति मुमताज अहमद रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम शायदा बेगम पति मुमताज अहमद से ही जाना पहचाना जावें। पिता का नाम अबदुल मजीद

शायदा बेगम
वार्ड नं. 09 प्लाट नं.-07
सड़क नं. 07, शिवाजी नगर, हन्फी मजिस्द के पीछे कोहका भिलाई
तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)
पिन नं. 490023

Name Change

It is informed to the general public that I, SHAIDA BEGUM D/O ABDUL MAJID (W/O MUMTAZ AHMED) Resident of Ward No. 09, Plot No. 07, Street No. 07, Shivaji Nagar, behind Hanfi Masjid, Kohka, Bhilai, Tehsil & District Durg (C.G), PIN 490023 have changed my old name SHAIDA BEGUM D/O ABDUL MAJID (W/O MUMTAZ AHMED), So in Future I should be recognized by my New Name that is SAIDA BEGUM D/O ABDUL MAJID (W/O MUMTAZ AHMED), in all government and other documents.

SAIDA BEGUM
Ward No. 09, Plot No. 07, Street No. 07, Shivaji Nagar, behind Hanfi Masjid, Kohka, Bhilai, Tehsil & District Durg (C.G), PIN 490023

नशे में ऑटो चालक छात्रा को घर के बजाय सुनसान इलाके में ले जा रहा था, लोगों ने किया पुलिस के हवाले

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत इरादे से घर के बजाय सुनसान इलाके में ले जाने का मामला सामने आया है। 13-14 वर्षीय छात्रा देर शाम ट्यूशन खत्म होने के बाद ऑटो से अपने घर लौट रही थी। आरोप है कि ऑटो चालक ने निर्धारित रास्ते से जाने के बजाय वाहन को कॉलेज ग्राउंड की ओर मोड़ दिया। सुनसान इलाके की तरफऑटो जाते देख छात्रा घबरा गई और उसने शोर मचाकर मदद के लिए आवाज लगाई। छात्रा की आवाज सुनकर आसपास मौजूद स्थानीय लोगों और ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने तत्काल ऑटो को रोक लिया। ऑटो को रोककर बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला और चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

खास खबर

नवा रायपुर में करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर स्थापित करने की दिशा में पहल

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी से भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर के महाप्रबंधक मनीष पराशर ने भेंट की। इस मुलाकात में छत्तीसगढ़ में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के विस्तार, मुद्रा प्रबंधन तथा भारतीय रिजर्व बैंक से संबंधित विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। बैठक के दौरान वर्तमान में नागपुर से होने वाले करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन को नवा रायपुर में स्थापित करने की दिशा में की जा रही महत्वपूर्ण पहल पर भी चर्चा हुई। नवा रायपुर में करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन की व्यवस्था विकसित होने से राज्य में मुद्रा प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

मुन्नी बाई के घर तक पहुंचा नलजल का कनेक्शन

मनेन्द्रगढ़। जिले के ग्राम रेंद की मुन्नी बाई को पानी की व्यवस्था में लगने वाला समय और मेहनत थका देता था। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल की सुविधा पहुंचने के बाद मुन्नी बाई के घर में न केवल पानी पहुंचा है, बल्कि उनके जीवन में सुविधा, स्वच्छता और उम्मीद की नई शुरुआत हुई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्राम पंचायत भगवानपुर, विकासखंड भरतपुर में ग्रामीण परिवारों को घर-घर नल कनेक्शन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। इसी पहल का लाभ ग्राम रेंद की निवासी मुन्नी बाई को भी मिला है। मुन्नी बाई बताती हैं कि पहले घर की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक था। स्वच्छ पानी के लिए उन्हें घर से दूर स्थित कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था। पानी भरने के बाद उसे घर तक लाने में काफी समय और श्रम लगता था। गर्मी के दिनों में यह परेशानी और भी बढ़ जाती थी।

धान, चावल, लालभाजी एवं खीरे के बीज से बनाई राखी, मोरपंख, कौड़ी और बांस का भी उपयोग

श्रीकंचनपथ समाचार

बस्तर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बस्तर की ग्रामीण महिलाओं के हुनर, स्वावलंबन और स्थानीय संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। जगदलपुर कलेक्टोरेट परिसर में विकासखंड जगदलपुर, बकावंड और बस्तर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित एवं पर्यावरण-अनुकूल राखियों की विशेष प्रदर्शनी-सह-बिक्री लगाई गई। प्राकृतिक सामग्रियों से तैयार इन राखियों ने न केवल लोगों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि बस्तर की ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता को भी नई पहचान दी। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार राखियों और अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना करते हुए स्वयं राखियां खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रदर्शनी में ग्रामीण महिलाओं ने धान, चावल, लालभाजी एवं खीरे के बीज, मयूर पंख, बांस, प्राकृतिक धागों और कौड़ियों जैसी स्थानीय एवं प्राकृतिक सामग्रियों से आकर्षक राखियां तैयार की थीं।

इन राखियों में बस्तर की लोककला, प्रकृति और पारंपरिक संस्कृति की सुंदर झलक दिखाई दी। कलेक्टोरेट पहुंचे अधिकारी-कर्मचारी और आम नागरिक भी इन राखियों को खरीदने के लिए उत्साहित नजर आए। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित हुई।

ग्रामीण महिलाओं को राखी निर्माण में दक्ष बनाने के लिए जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, आड़ावाल द्वारा 21 से 26 जुलाई तक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। इसमें जिले के सातों जनपदों से आई 30 महिला प्रतिभागियों ने राखी निर्माण का हैंड्सऑन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

माय भारत की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री

युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता से ही पूरा होगा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ का सपना

- देशभर में माय भारत से जुड़े 2.65 करोड़ से अधिक युवा, छत्तीसगढ़ में 6.60 लाख से अधिक पंजीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता तथा नवाचार की क्षमता ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप अवसर देकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से व्यापक रूप से जोड़ना होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन में आयोजित 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने से उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक युवा विकास की मुख्यधारा से जुड़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इसी उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसे व्यापक मंच की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री युवाओं के विचारों, आकांक्षाओं और गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हैं तथा युवा शक्ति को विकसित भारत के संकल्प का प्रमुख आधार मानते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का युवा तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसकी सोच व्यापक है, उसमें नवाचार की क्षमता है और वह तेजी से बदलाव को आत्मसात कर सकता है। युवाओं की यही ऊर्जा सकारात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगे, इसके लिए उन्हें सही दिशा, अवसर और मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, सिविक सेंस, इतिहास, पर्यटन, कौशल विकास, कृषि, तकनीकी शिक्षा, आपदा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में युवा शक्ति का सहयोग उपयोगी हो सकता है, वहां माय भारत के माध्यम से उन्हें अवसर दिए जाएं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 'सशक्त युवा-सशक्त छत्तीसगढ़' की भावना के अनुरूप ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत समन्वय और युवा नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए। डिजिटल डिटॉक्स, सेवा भाव, सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक उत्तरदायित्व से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि 'मेरा युवा भारत' युवाओं को सरकार, समाज और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने वाला डिजिटल एवं भौतिक मंच है। वर्तमान में देशभर में 2.65 करोड़ से अधिक युवा माय भारत प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। छत्तीसगढ़ में भी 6.60 लाख से अधिक युवा इस मंच से जुड़ चुके हैं।

माय भारत को युवाओं और सरकार के बीच सिंगल विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां युवाओं को स्वयंसेवा, अनुभव आधारित शिक्षण, कौशल, नेतृत्व तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और अवसरों की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके। युवाओं की सुविधा के लिए माय भारत ऐप भी विकसित किया गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि देशभर में 24 हजार 900 से अधिक ईएलपी के माध्यम से 1.21 लाख युवाओं को शासन की विभिन्न गतिविधियों से जुड़ने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला है। छत्तीसगढ़ में 233 ईएलपी के माध्यम से 2 हजार 389 से अधिक युवा जुड़े हैं।

इसी प्रकार देशभर में 1.53 लाख से अधिक स्वयंसेवा अवसरों के माध्यम से 10 लाख से अधिक युवाओं को जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ में 5778 वालंटियर अवसरों के माध्यम से 23900 से अधिक युवाओं ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया है। क्विज मॉड्यूल से भी देशभर में 65 लाख से अधिक युवाओं को जोड़ा गया है। 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यालय, जिला कार्यालय, युवा क्लब और माय भारत स्वयंसेवकों की व्यवस्था है। ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक युवाओं को विभिन्न गतिविधियों और अवसरों से जोड़ा जा रहा है।

जय गढ़िया बाबा दल ने राष्ट्रपति भवन में बिखेरा छत्तीसगढ़ी लोककला का जादू

रायपुर। 15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन के सेंट्रल हॉल में धमतरी जिले के नगरी विकासखंड के सुदूर गांव सरईटोला (गुडरापार) के कलाकारों ने अपनी मांदरी नृत्य की ऊर्जावान प्रस्तुति से समां बांध दिया। 'जय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल' के इस प्रदर्शन ने न केवल राष्ट्रपति भवन में मौजूद गणमान्य अतिथियों का दिल जीता, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की लोककला का परचम राष्ट्रीय पटल पर लहरा दिया। पारंपरिक वेशभूषा, रंग-बिरंगे आभूषणों और गुट्टा मांदर की थाप के साथ जब सरईटोला के कलाकारों ने मंच संभाला, तो पूरा वातावरण छत्तीसगढ़ी लोक-आत्मा के रंगों में सराबोर हो गया। फसल कटाई के उल्लास, सामाजिक सरोकारों और पीढ़ियों से संजोई जनजातीय जीवन शैली को दर्शाती इस प्रस्तुति ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह नृत्य केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि लोक-स्मृतियों और सामुदायिक पहचान का जीवंत प्रदर्शन बन गया। दल के सचिव रूपराय नेताम ने बताया कि प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख कलाकारों में रतन लाल निषाद एवं सुरेंद्र सोरी, हेमंत सोरी, सुलोचना सोरी एवं मधु नेताम शामिल रहे।

शक्तितोलन में छत्तीसगढ़ के क्रीड़ा आकाश पर चमका मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी का नाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के द फिटनेस पाठशाला जिम, अंबागढ़ चौकी से जुड़े 14 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम का प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक हासिल किए। इनमें 7 स्वर्ण, 8 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। पदकों के शानदार प्रदर्शन के आधार पर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की टीम ने टीम चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में दमदार प्रदर्शन किया। खुशी धालेंद्र ने दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ छत्तीसगढ़ जूनियर बेस्ट लिफ्टर का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने जिले की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाई। पंकज नेताम ने स्वर्ण पदक हासिल किया। रवि कुमार ने एक स्वर्ण, चिन्मय ने दो स्वर्ण तथा साहिल निराला ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर जिले की पदक तालिका को मजबूत किया।वहीं गजेंद्र, रेश्मी, रीत, डेजी, करण, सजल शिवहरे, बिलाल और निखिल पटवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किए।

जिले की युवा खिलाड़ी आनिया खान का स्कूल गेम्स वेटलिफ्टिंग में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि जिले में खेल प्रतिभाओं के लगातार उभरने और विभिन्न खेल विधाओं में युवाओं की बढ़ती रुचि को दर्शाती है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। जिले के खिलाड़ियों की उपलब्धि से आने वाले समय में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ी हैं।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ी एवं कोच से कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने मुलाकात की। खिलाड़ियों ने कलेक्टर को प्रतियोगिता में हासिल किए गए 16 पदकों और टीम चैंपियनशिप की उपलब्धि की जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी खिलाड़ियों और कोच को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उपहार भी प्रदान किए और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर ने खिलाड़ियों एवं खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। इस प्रोत्साहन से खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

केंद्रीय राज्यमंत्री साहू ने रिमझिम फुहारों के बीच किया 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

- पांचों संभागों के 540 खिलाड़ियों ने किया आकर्षक मार्चपास्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रिमझिम फुहारों के बीच खुशनुमा और उत्साहपूर्ण माहौल में मंगलवार को पेण्ड्रा के फिजिकल कॉलेज मैदान में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने ध्वजारोहण कर 18 से 21 अगस्त तक चलने वाली चार दिवसीय प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में खेल प्रतिभाओं के उत्साह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक मार्चपास्ट ने पूरे वातावरण को खेलमय बना दिया।

प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के कुल 540 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभागी अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल नियमों का पूर्ण पालन करते हुए सच्चे अनुशासन, निष्ठा और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। उन्होंने खिलाड़ियों से अपने खेल के गौरव, राज्य के सम्मान और खेल भावना की उच्च परंपराओं को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया।

श्री साहू ने खिलाड़ियों को तनाव और अवसाद से मुक्त होकर पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता में जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और संघर्ष की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चार दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिम्नास्टिक, कबड्डी, क्रिकेट और ताइक्वांडो की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। जिम्नास्टिक में बालक एवं बालिका, कबड्डी में बालिका, क्रिकेट में बालक तथा ताइक्वांडो में बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

जिम्नास्टिक की स्पर्धाएं जिम्नास्टिक हॉल, गुरुकुल गौरेला, क्रिकेट की स्पर्धाएं फिजिकल कॉलेज मैदान, गुरुकुल पेण्ड्रा, ताइक्वांडो की स्पर्धाएं जनपद सभागार पेण्ड्रा तथा कबड्डी की स्पर्धाएं कबड्डी प्रशिक्षण केन्द्र पेण्ड्रा में आयोजित की जा रही हैं।

तीव्र जिजीविषा और निरंतर प्रयासों से मिली सफलता

दिव्यांग विद्या का सीजी पीएससी में हुआ चयन, मिला प्रोत्साहन

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम तेलीखाम्ही की दिव्यांग विद्या साहू ने अपनी मेहनत, लगन, दृढ़ संकल्प और मजबूत हौसलों के साथ अपने सपनों का नई उड़ान दी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा-2024 में अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है। एक हाथ से 70 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा में छठे प्रयास में अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर चयनित होकर इतिहास रचा है। समाज कल्याण विभाग की क्षितिज अपार संभावनाएं अंतर्गत दिव्यांग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत उन्हें 01 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल और जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे ने विद्या को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही बेटी की सफलता पर विद्या के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि स्वयं निरक्षर होने के बावजूद उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा और बेटी को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। उनका यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक और सकारात्मक संदेश है। कलेक्टर ने कहा कि विद्या की सफलता उनकी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। शासन द्वारा प्रदान की गई प्रोत्साहन राशि उनकी उपलब्धि को सम्मान देने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भी प्रेरणा का माध्यम बनेगी। उन्होंने विद्या को निरंतर प्रयास कर और ऊंचा मुकाम हासिल करने प्रोत्साहित किया।

एसएसपी ने कहा कि विद्या की उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि जिले के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य को नई दिशा देने का सपना देख रहे हैं। विद्या ने अपनी मेहनत से यह साबित किया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति निश्चित रूप से सफलता हासिल कर सकता है।

विद्या साहू ने कहा कि शासन की क्षितिज अपार संभावनाएं अंतर्गत दिव्यांग सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि सीजी पीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में चयन मेरा सपना था, जिसे मैंने कड़ी मेहनत, निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प के साथ पूरा किया। यह मेरा छठा प्रयास था। इस बार सफलता हासिल करने में सफल रही। 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि मेरे लिए बेहद उत्साहवर्धक है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगता कभी भी लक्ष्य प्राप्ति की राह में अंतिम बाधा नहीं बन सकती। जीवन में चुनौतियां आती हैं, लेकिन हर चुनौती के साथ समाधान का रास्ता भी होता है। आवश्यकता है कि हम अपने लक्ष्य पर विश्वास रखें, निरंतर प्रयास करें और कभी हार न मानें। उन्होंने इस प्रोत्साहन एवं सम्मान के लिए छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

बीजापुर में तसर पालन की पहल, 10 हजार स्वस्थ डिम्ब समूह योजना प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तसर (कोसा) पालन को बढ़ावा देने के लिए भैरमगढ़ के कोसा बीज केंद्र में ग्रामीणों और हितग्राहियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस पहल के तहत अर्जुन और साजा के 5,000 पौधे तैयार किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए साधन बनेंगे।

योजना के तहत मिन्कापल्ली, कोत्तापल्ली, गुदमा और भैरमगढ़ क्षेत्र के रेशम हितग्राहियों को 10 हजार स्वस्थ तसर डिम्ब समूह वितरित किए गए हैं। इस पहल से ग्रामीण परिवारों को तसर पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय और रोजगार का अवसर मिलेगा।

योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को लगभग 1.40 लाख रुपये की शासकीय सब्सिडी का लाभ मिला है। स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण डिम्ब समूह मिलने से हितग्राही बेहतर तरीके से तसर पालन कर सकेंगे। इससे कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन प्राप्त करने की संभावना बढ़ेगी।

स्वस्थ डिम्ब समूह एसएमटीसी, चेन्नूर (तेलंगाना) से प्राप्त कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराए गए हैं। रेशम विभाग के तकनीकी विशेषज्ञ हितग्राहियों को तसर पालन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं। उन्हें डिम्ब समूहों की देखभाल, कीट प्रबंधन, पौधों की सुरक्षा और तसर पालन के विभिन्न चरणों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विभाग द्वारा हितग्राहियों को लगातार तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है, ताकि स्वस्थ डिम्ब समूहों का बेहतर पालन कर अधिक से अधिक कोसा उत्पादन किया जा सके। गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ने से ग्रामीण परिवारों की अतिरिक्त आय में वृद्धि होगी और उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार का साधन भी मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950